visit us
www.rajasthandar-shanpatrika.com
rajasthandarshan-patrika
rajasthandarshan-news
rajasthandarshan
rajasthan darshan-news channel
rajasthan darshan patrika

दैनिक प्रातः कालीन

RNI. NO.- RAJHIN2022/ 82942

# राजस्थान दर्शन

डाक पंजीयन संख्याः jaipur city/005/2023–25

वर्ष 1 | अंकः 62 | उदयपुर, शुक्रवार 28 अगस्त, 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य- 2₹

# नेपाल में जलप्रलय से तबाही, यूपी-बिहार में अलर्ट

## भोटेकोशी के तेज बहाव से भारी नुकसान; 400 से ज्यादा मौतें, 1500 से ज्यादा लापता, 290 भारतीयों से संपर्क नहीं

राजस्थान दर्शन

**नई दिल्ली/काठमांडू।** नेपाल में भोटेकोशी नदी में आई भीषण फ्लैश फ्लड ने भारी तबाही मचा दी है। रसुवा क्षेत्र में अचानक आए तेज जलप्रवाह और बाढ़ के बाद अब तक 362 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 1500 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार करीब 290 भारतीय नागरिकों से फिलहाल संपर्क नहीं हो पा रहा है, जबकि कई भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

### 35 पुल और 45 सस्पेंशन ब्रिज बहे

बाढ़ के तेज बहाव ने नेपाल के कई इलाकों में सड़क और संपर्क व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 35 पुल और 45 सस्पेंशन ब्रिज बह गए हैं। वहीं 13 जलविद्युत परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचा है। कई वाहन तेज बहाव की चपेट में आए हैं। रसुवा, धादिंग, नुवाकोट और चितवन समेत कई जिलों में सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं।

### 290 भारतीयों से संपर्क नहीं

नेपाल की त्रासदी के बीच भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार लगातार नेपाल के संपर्क में है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक विभिन्न समूहों में 288 भारतीय नागरिकों की जानकारी जुटाई जा रही है, जबकि अन्य अपडेट में करीब 290 भारतीयों से संपर्क नहीं होने की बात सामने आई है। राहत अभियान में अब तक 84 भारतीयों को सुरक्षित निकाले जाने की जानकारी है। इनमें त्रिशूली-1 पावर प्रोजेक्ट में फंसे कर्मचारी और तमिलनाडु के कैलाश मानसरोवर यात्री शामिल हैं। नेपाल के रसुवा जिले में संपर्क से बाहर विदेशी पर्यटकों में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक बताई गई है। नेपाल पर्यटन बोर्ड के शुरुआती आंकड़ों में 178 भारतीय पर्यटकों के संपर्क में नहीं होने की जानकारी सामने आई थी। हालांकि प्रशासन लगातार आंकड़ों का सत्यापन कर रहा है।

### महाराष्ट्र के 114 पर्यटक फंसे

नेपाल में महाराष्ट्र के कम से कम 114 पर्यटकों के फंसे होने की आशंका है। महाराष्ट्र आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार इनमें 53 पर्यटकों के सागा-मानसरोवर क्षेत्र में सुरक्षित होने की पुष्टि हो चुकी है। राज्य सरकार नेपाल की ट्रैवल एजेंसियों और नई दिल्ली स्थित गृह मंत्रालय के इमरजेंसी कंट्रोल रूम के संपर्क में है।

### नदी रुकने से बनी अस्थायी झील, फिर बाढ़ का खतरा

नेपाल सरकार ने भोटेकोशी और लेंडे नदी क्षेत्र में एक और बड़े खतरे की चेतावनी जारी की है। सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण के अनुसार रसुवागढ़ी सीमा से करीब 18 किलोमीटर ऊपर नदी का बहाव रुक गया है। इससे करीब 0.11 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में अस्थायी झील बनने की बात सामने आई है। झील का प्राकृतिक बांध टूटने पर निचले इलाकों में अचानक भीषण बाढ़ आ सकती है। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों, यात्रियों और राहतकर्मियों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

### यूपी-बिहार में भी प्रशासन अलर्ट

नेपाल में जलप्रलय के बाद भारत के सीमावर्ती राज्यों उत्तर प्रदेश और बिहार में प्रशासन सतर्क हो गया है। गंडक, नारायणी और कोसी नदियों के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। यूपी के महाराजगंज और कुशीनगर समेत सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। बिहार के छह जिलों में विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। हृष्ठऱ्पत्रिका के मुताबिक नेपाल की बाढ़ का यूपी-बिहार के सीमावर्ती इलाकों में फिलहाल कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ा है। बिहार में हृष्ठऱ्पत्रिका की 9 टीमें और यूपी में 11 टीमें तैनात हैं, जबकि चार अतिरिक्त टीमें गाजियाबाद में स्टैंडबाय पर रखी गई हैं। बिहार जल संसाधन विभाग के अनुसार गंडक नदी का पानी 26 अगस्त की रात करीब 11 बजे 1.50 लाख क्यूसेक तक पहुंचा था। इसके बाद जलस्तर में कमी आई, हालांकि देवघाट क्षेत्र में बारिश के कारण फिर मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल किसी भी तटबंध को खतरा नहीं है और सभी बांध व तटबंध सुरक्षित हैं। अधिकारियों को हर घंटे जलस्तर की निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

### पीएम मोदी ने नेपाल को दिया हरसंभव मदद का भरोसा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से फोन पर बात कर इस भीषण आपदा पर संवेदना जताई और हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। पीएम मोदी ने कहा कि संकट की इस घड़ी में भारत के लोग नेपाल के अपने भाई-बहनों के साथ मजबूती से खड़े हैं। वहीं नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने नुवाकोट पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों, चिकित्सकों, स्थानीय प्रतिनिधियों और राहत टीमों से बातचीत की। निरीक्षण के बाद उन्होंने कहा कि स्थिति अभी भी चुनौतीपूर्ण है, लेकिन राज्य की प्रशासनिक और सुरक्षा मशीनरी पूरी क्षमता के साथ राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है।

### हेलीकॉप्टर से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही

नेपाल में राहत अभियान को तेज कर दिया गया है। सुबह से हेलीकॉप्टरों के जरिए प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री, जनरेटर, मोबाइल टावर, चिकित्सा उपकरण, टेंट और मशीनें भेजी जा रही हैं। नेपाली सेना ने रसुवा के टिमुरे से 116 लोगों को सुरक्षित निकाला, जिनमें 21 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। एक सुरंग में फंसे सात नेपाली नागरिकों को भी बाहर निकाल लिया गया है।

## निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस का बड़ा आरोप, डोटासरा बोले- कार्यकर्ताओं के परिवारों को डराया जा रहा

जयपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने नगरीय निकायों के चुनाव में राज्य सरकार और सत्तारूढ़ दल पर प्रशासनिक तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से अधिकारियों पर दबाव बनाकर मनपसंद उम्मीदवारों के आवेदन पत्र मांगे जा रहे हैं। डोटासरा ने सोशल मीडिया पर कहा कि सत्ता कभी स्थायी नहीं रहती और वक्त आने पर हर अनुचित कार्य का हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि राज्य में कैसी लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के अधिकारियों पर अनैतिक दबाव बनाया जा रहा है और कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे कार्यकर्ताओं के परिवारों को भी डराने की कोशिश हो रही है। इस प्रवृत्ति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी ने निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के लिए रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। पार्टी ने राज्य की सभी 200 विधानसभा सीटों पर चुनाव समन्वयकों की नियुक्ति की है। यह समन्वयक जमीनी स्तर का फीडबैक जुटाने के साथ-साथ स्थानीय कार्यकर्ताओं और दावेदारों के बीच बेहतर समन्वय कर रहे हैं।

## एलओसी पर संदिग्ध घुसपैठ की कोशिशः राजोरी के नौशेरा सेक्टर के पास दिखी गतिविधि, सेना ने की फायरिंग; निगरानी तेज

राजोरी

राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर के एलओसी स्टे रूमीधारा क्षेत्र में वीरवार देर वार शाम नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास संदिग्ध गतिविधि देखे जाने के बाद फायरिंग की घटना सामने आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शाम करीब 8:30 और 9 बजे के बीच एलओसी से स्टे इलाके में एक संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि देखी। संदिग्ध के पास बैकपैक होने की बात सामने आई है। उसकी गतिविधि फेंस और एलओसी के बीच देखी गई। संदिग्ध गतिविधि पर नजर पड़ते ही भारतीय जवानों ने फायरिंग की, जिसके जवाब में संदिग्ध व्यक्ति की ओर से भी दो राउंड फायर किए जाने की सूचना है। इसके आसपास की फेंस पोस्ट पर तैनात जवानों को अलर्ट कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, घटना का स्थान भारतीय क्षेत्र में फेंस से करीब दो किलोमीटर अंदर बताया जा रहा है। इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा सतर्कता बढ़ा दी गई है और संदिग्ध गतिविधि को लेकर निगरानी जारी है। राजोरी के नौशेरा सेक्टर में इससे पहले भी एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधियों के बाद सुरक्षा बलों द्वारा घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम किया गया है। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

## परीक्षा कलेण्डर से बम्पर भर्तियों तक, राज्य सरकार ने किया युवाओं की हर अपेक्षा को पूराः भजनलाल शर्मा

जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित माय भारत खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर के सुबोध पीजी कॉलेज से इस कार्यक्रम से वीसी के माध्यम से जुड़े और प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुना। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। युवाओं के धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है और अब गांव-गांव की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध हो रहा है।उन्होंने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस उनके अद्वितीय योगदान और खेल के प्रति समर्पण को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि देश को पदक तभी मिलते हैं, जब देश में खेल संस्कृति का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व का ही परिणाम है कि आज भारत खेलों के क्षेत्र में

आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है तथा खेल राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा संशोधित खेलो इंडिया योजना में 36 हजार करोड़ रुपये के व्यय सेखेलो को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद देश में खेल परिदृश्य में बदलाव आया है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह साकार हो रहा है। भारत विश्व की चैथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू किया गया माय भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म युवाओं को कौशल विकास, नेतृत्व और नागरिक भागीदारी के अवसर प्रदान कर उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागी बना रहा है। माय भारत केवल एक पोर्टल नहीं, बल्कि अमृत पीढ़ी के सामर्थ्य को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने भी प्रदेश के युवाओं को खेल, कौशल विकास, रोजगार और सामुदायिक सहभागिता से जोड़ने के लिए 'सुयोग' प्लेटफॉर्म शुरू किया है। इसका उद्देश्य प्रदेश के हर गांव और हर वार्ड के युवा को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रदेश में खेलों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं, आर्थिक सुरक्षा और सम्मान के माध्यम से विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। राज्य में 50 खेलो इंडिया केन्द्र स्थापित किए गए हैं तथा सवाई मानसिंह स्टेडियम में एथलेटिक्स, तीरंदाजी और बॉक्सिंग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व जयपुर में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय की स्थापना भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 186 खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक 3 हजार 540 खिलाड़ियों को लगभग 52 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन एवं सहायता राशि प्रदान की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 का सफल आयोजन किया गया। सात शहरों में आयोजित इन खेलों में 222 विश्वविद्यालयों के लगभग 7 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। वहीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 में राजस्थान के खिलाड़ियों ने कुल 60 पदक जीतकर देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने हाल ही में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली अरुंधति चैधरी और कांस्य पदक जीतने वाले यशवीर सिंह की सराहना करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान युवा नीति-2026 के माध्यम से युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल, खेल और नेतृत्व विकास के नए अवसर सृजित किए गए हैं। एक जिला-एक खेल के माध्यम से प्रत्येक जिले में एक खेल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम शुरू की गई है।उन्होंने कहा कि विभागीय अकादमियों के खिलाड़ियों का मैस भत्ता 2 हजार 600 रुपये से बढ़ाकर 4 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर बजट में युवाओं की इच्छाओं और अपेक्षाओं का ध्यान रखते हुए उन्हें पूरा कर रही है। हमारी सरकार ने भर्ती परीक्षाओं के लिए कैलेण्डर जारी किया है।

## परिसीमन पर विशेष सत्र की अटकलों के बीच खरगे ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर सर्वदलीय बैठक की मांग की

नई दिल्ली

संसद के विशेष सत्र को लेकर अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर परिसीमन के प्रस्तावों पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग दोहराई है। खरगे ने कहा है कि सरकार परिसीमन को लेकर जो भी प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है, उन्हें संसद में पेश करने से पहले सभी राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए, ताकि वे प्रस्तावों का विस्तार से अध्ययन कर सकें। 27 अगस्त को लिखे पत्र में खरगे ने प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि उन्होंने इससे पहले 16 जुलाई को भी पत्र लिखकर परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि उस समय उन्होंने यह भी मांग की थी कि किसी भी प्रस्ताव को संसद के किसी विशेष सत्र में लाने से पहले राजनीतिक दलों को उसे समझने और उस पर विचार करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए। खरगे का यह पत्र ऐसे समय आया है जब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने एक इंटरव्यू में संकेत दिया है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। खरगे ने कहा कि इससे मानसून सत्र को औपचारिक रूप से स्थगित किए जाने में हो रही देरी की वजह भी स्पष्ट होती है। हालांकि, उन्होंने प्रधानमंत्री से विशेष सत्र बुलाने की स्थिति में परिसीमन के मुद्दे पर पहले व्यापक राजनीतिक चर्चा

कराने की मांग की है। खरगे ने पत्र में कांग्रेस के रुख को स्पष्ट करते हुए परिसीमन को लेकर तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। पहली, लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या को अगले 25 वर्षों तक बरकरार रखा जाए। दूसरी, लोकसभा में राज्यों की मौजूदा सीटों की हिस्सेदारी को भी अगले 25 वर्षों तक कायम रखा जाए। यानी परिसीमन के बाद राज्यों की मौजूदा ताकत में बदलाव न किया जाए। तीसरी, महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू किया जाए। खरगे ने कहा कि परिसीमन देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और इसके दूरगामी राजनीतिक एवं संवैधानिक प्रभाव होंगे। इसलिए सरकार को राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों के साथ व्यापक विचार-विमर्श करना चाहिए। पत्र के अंत में खरगे ने प्रधानमंत्री से अपील की कि वे परिसीमन के प्रस्तावों पर पहले सर्वदलीय बैठक बुलाएं और सभी राजनीतिक दलों तथा राज्य सरकारों को प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दें। उन्होंने सरकार को अप्रैल 2026 में संसद में हुए घटनाक्रम की याद दिलाते हुए कहा कि इस बार इस मुद्दे पर जल्दबाजी में कदम उठाने या विपक्ष को दरकिनार कर आगे बढ़ने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।

## जलजीवन मिशन में ठेकेदारों को बिना जांच 122 करोड़ भुगतानः कैग रिपोर्ट में खुलासा

जयपुर

राजस्थान में जल जीवन मिशन में एक और फर्जीवाड़ा सामने आया है। कैग की रिपोर्ट के अनुसार- 26 क्षेत्रीय जल आपर्ति परियोजनाओं में थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन और सर्टिफिकेशन के प्रावधान का पालन किए बिना ही ठेकेदारों को दिसंबर 2024 तक 122.31 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया गया। फर्जी बिलों से 7.7 करोड़ का भुगतान भी किया गया। ऑडिट में यह भी सामने आया कि चयनित कामों में मनगढ़ंत और फर्जी बिल बनाए गए। दूसरे ठेकेदारों के बिलों के आधार पर 7.7 करोड़ के अनियमित भुगतान किए गए। जेजेएम में करौली में निविदा खोलने से पहले ही पाइप खरीद लिए गए। वहीं बाद में एनओसी जारी होने से पहले ही उन्हें सोजत सिटी को ट्रांसफर कर दिया गया, जिससे पूरी टेंडर प्रक्रिया शक के दायरे में है। कैग रिपोर्ट के अनुसार- जेजेएम की गाइडलाइन के अनुसार सहायक गतिविधियों और प्रचार-प्रसार में प्रोजेक्ट के फंड का इस्तेमाल नहीं कर सकते थे। जून 2024 में रिकॉर्ड की जांच से पता चला कि साल 2022-23 के दौरान अलग-अलग जल आपूर्ति परियोजनाओं की आधारशिला रखने के आयोजन पर 3.28 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। कैग के मुताबिक- यह खर्च गलत था और जेजेएम गाइडलाइन का साफ उल्लंघन था। राज्य सरकार ने नवंबर 2025 में इसके जवाब में तर्क दिया कि शिलान्यास समारोह पर खर्च वित्त विभाग

की मंजूरी लेकर किया गया था। कैग ने सरकार के इस जवाब को सिरे से खारिज करते हुए इसे जेजेएम की गाइडलाइन का उल्लंघन बताते हुए ऑडिट पैरा बनाकर आपत्ति जताई है। पानी की क्वालिटी जांच-मॉनिटरिंग पर 91.69' पैसा खर्च नहीं साल 2019 से 20 जनवरी 2025 तक पानी की क्वालिटी की निगरानी और सर्वे एक्टिविटीज की गई। इसमें 486.23 करोड़ के बजट में से केवल 40.39 करोड़ रुपए ही खर्च किए, जबकि 445.84 करोड़ रुपए बिना खर्च पड़े रहे। इस काम में केवल 8.31' ही खर्च किए। कुल बजट के 91.69' रुपए बिना खर्च पड़े रहे। कैग की रिपोर्ट के अनुसार- जलदाय विभाग की लापरवाही के कारण टेंडर रद्द हुए। इस वजह से सितंबर 2024 तक कोई काम नहीं हुआ। विभाग की लापरवाही के कारण बारां, झालावाड़ और कोटा जिले के 14 गांवों के 1,52,437 ग्रामीण परिवार 3 साल से ज्यादा समय तक जेजेएम के पानी से वंचित रहे।

## पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संघ की झाड़ोल उपशाखा में भरतसिंह झाला अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

राजस्थान दर्शन

**झाड़ोल।** पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संघ उपशाखा झाड़ोल की बैठक बुधवार को आमझड़ महादेव मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता पर्वत सिंह डुलावत ने की। बैठक में ब्लॉक की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए भरतसिंह झाला को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कर्मचारियों के हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। नई कार्यकारिणी में भरतसिंह झाला को अध्यक्ष, पर्वत सिंह झालावत को जिला प्रतिनिधि, महेंद्र सिंह सिसौदिया को संरक्षक, नवल सिंह झाला को संरक्षक, मोहन मेघवाल को संरक्षक, गजेंद्र सिंह झाला को महामंत्री, देवेंद्र सिंह झाला को महामंत्री तथा संजय भगोरा को उपाध्यक्ष ,सहित अन्य सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक के अंत में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने तथा आवश्यकता पड़ने पर कर्मचारियों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी गई। अध्यक्ष भरतसिंह झाला सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने संगठन की मजबूती और कर्मचारियों के हित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

## कटारिया ने झाड़ोल पहुंच भाजपा जिला प्रवक्ता को दी सांत्वना, दो माह पूर्व हुआ था पत्नी का निधन

राजस्थान दर्शन

**झाड़ोल।** पंजाब के राज्यपाल गुलाब चन्द्र कटारिया गुरुवार को झाड़ोल पहुंचे। उन्होंने भाजपा देहात जिला प्रवक्ता नीलम राजपुरोहित की पत्नी सपना पुरोहित के निधन पर उनके निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। उल्लेखनीय है कि करीब दो माह पूर्व नीलम राजपुरोहित की पत्नी सपना पुरोहित का निधन हो गया था। इसी के चलते राज्यपाल कटारिया गुरुवार को उनके झाड़ोल स्थित निवास पर पहुंचे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान झाड़ोल भाजपा मंडल अध्यक्ष शंकर लाल गाडरी, फलासिया मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह, ललित प्रसाद पुरोहित, आनंद पुरोहित, मनीष पुरोहित, नीतीश पुरोहित, देवी लाल गायरी, वीरेन्द्र कोडिया, लालूराम गायरी, विश्वराज सिंह झाला, राजू निमावत,धीरज पूर्बिया सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## ऑपरेशन त्रिनेत्रः एनडीपीएस एक्ट के 3 इनामी आरोपी गिरफ्तार, 2100-2100 रुपए का था इनाम

**सलूंबर/झल्लारा।** अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत झल्लारा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तीन इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों पर पुलिस ने 2100-2100 रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस ने आरोपियों को लंबे समय से तलाश के बाद गिरफ्तार किया। कार्रवाई उदयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक सलूंबर विश्नाराम बिश्नोई के निर्देश पर की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन चावला और वृत्ताधिकारी सलूंबर राजीव राहड़ के सुपरविजन में झल्लारा थानाधिकारी धर्मेंद्र सिंह वागेला के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की।

### एनडीपीएस एक्ट के मामले में थे वांछित

पुलिस के अनुसार प्रकरण संख्या 207/25, धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट में लंबे समय से वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी।

### गिरफ्तार आरोपियों में

उकारलाल पुत्र गेमरलाल गाडरी, निवासी गड़ी, थाना भींडर, जिला उदयपुर। लालूराम रावत पुत्र वगताराम, निवासी धारता, थाना भींडर, जिला उदयपुर। शंकरलाल उर्फ पन्नालाल सेन पुत्र बगदीराम सेन, निवासी डूंगला, थाना डूंगला, जिला चित्तौड़गढ़। तीनों आरोपियों पर 2100-2100 रुपए का घोषित इनाम था।

### लगातार जारी है अवैध तस्करी के खिलाफ अभियान

जिला पुलिस की ओर से अवैध तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि ऐसे मामलों में वांछित और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

### यह टीम रही कार्रवाई में शामिल

कार्रवाई झल्लारा थानाधिकारी धर्मेंद्र सिंह वागेला के नेतृत्व में की गई। टीम में कांस्टेबल सिद्धराज सिंह नंबर 165 और कांस्टेबल कान सिंह नंबर 119 सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश कर उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार एनडीपीएस एक्ट के इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े नेटवर्क और अन्य संभावित आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।
जिला पुलिस ने आमजन से अपील की है कि क्षेत्र में कहीं भी अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध कारोबार या अन्य आपराधिक गतिविधि की जानकारी मिलने पर पुलिस हेल्पलाइन 8764854809 पर सूचना दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा।

# भैया, मेरी राखी के बंधन को निभाना, रोड सेफ्टी रूल्स को अपनाना

### रक्षाबंधन से पहले अनूठी पहल

### हेलमेट लगी राखी बांधकर वाहन चालकों को दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ

राजस्थान दर्शन

**उदयपुर।** रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले सड़क सुरक्षा और भाई-बहन के भावनात्मक रिश्ते को जोड़ते हुए शहर में एक अनूठी एवं मार्मिक पहल की गई। आधार फाउंडेशन एवं रेयान इंटरनेशनल स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में सीए सर्किल पर आम वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान वाहन चालकों की कलाई पर हेलमेट लगी राखी बांधकर उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई।
अभियान के दौरान राह चलते वाहन चालकों रोककर राखी बांधी गई। राखी बांधते हुए संदेश दिया गया 'भैया, मेरी राखी के बंधन को निभाना, रोड सेफ्टी रूल्स को अपनाना।' इसके साथ ही वाहन चालकों से संकल्प कराया गया कि वे कभी भी बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के वाहन नहीं चलाएंगे। बच्चों ने वाहन चालकों को भावनात्मक संदेश देते हुए कहा कि घर पर बहन, भाई और पूरा परिवार उनके सुरक्षित लौटने का इंतजार करता है। ऐसे में सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही न केवल चालक बल्कि पूरे परिवार की खुशियां छीन सकती है। हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे छोटे-छोटे सुरक्षा उपाय जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आधार फाउंडेशन के नारायण चौधरी ने बताया कि इस दौरान करीब 80 लोगों को राखी बांधकर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया। यह अभिनव पहल पिछले तीन वर्षों से लगातार की जा रही है। हर वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर राखी के भावनात्मक बंधन को सड़क सुरक्षा से जोड़कर आमजन को जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने बताया कि अभियान से जुड़ने वाले अनेक नागरिकों ने इसे सकारात्मक पहल बताते हुए यातायात नियमों के पालन का संकल्प लिया।
अभियान में सुरक्षित यातायात व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए हेलमेट पहनकर वाहन चलाने वाले लोगों का भी उत्साहवर्धन किया गया। ऐसे वाहन चालकों को ट्रॉफी खिलाकर और मुंह मीठा कराकर सम्मानित किया गया।

## फार्मर रजिस्ट्री के लिए विशेष अभियान 1 से 30 सितम्बर तक

राजस्थान दर्शन

**उदयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार फार्मर रजिस्ट्री में शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रदेश भर में 1 सितम्बर से 30 सितम्बर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिला कलक्टर (भू.अ.) गौरव अग्रवाल ने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी संबंधित उपखण्ड अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।
जिला कलक्टर ने बताया कि गत 18 अगस्त को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई राज उन्नति बैठक में राज्य में फार्मर रजिस्ट्री के 100 प्रतिशत लक्ष्य अर्जित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में प्रदेश भर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान प्रत्येक ग्राम एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यकतानुसार विशेष फार्मर रजिस्ट्री कैम्प आयोजित किए जाएंगे तथा किसानों को कैम्प की पूर्व सूचना उपलब्ध कराई जाएगी। पटवारियों को अभियान में सक्रिय रूप से शामिल करते हुए गिरदावरी कार्य के साथ प्रत्येक किसान एवं संबंधित खसरे तक पहुंचकर फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण एवं लंबित कार्यवाही पूर्ण कराई जाएगी। कृषि पर्यवेक्षकों की उपलब्ध उपयोगकर्ता पहचान का उपयोग करते हुए उन्हें भी अभियान में सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा। सीएससी एवं ई-मित्र केन्द्रों की सेवाओं का प्रभावी उपयोग कर किसानों का फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण कराए जाने के निर्देश हैं।
अग्रवाल ने बताया कि प्लॉट वाइज सैचुरेशन ड्रिलडाउन मॉड्यूल के माध्यम से सभी अपंजीकृत खसरा समूहों का सत्यापन कर संबंधित पात्र किसानों एवं खसरों को फार्मर रजिस्ट्री में शामिल करने की कार्यवाही की जाएगी। पेंडेंसी ड्रिलडाउन रिपोर्ट्स के आधार पर लंबित एवं अपूर्ण पंजीकरणों की ग्रामवार सूची तैयार कर उनका शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। पीएम-किसान के ऐसे लाभार्थी, जो अभी तक फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकृत नहीं हैं और जिनके अभिलेख आरओआर डेटा से पूर्णतः मैच हो रहे हैं, उनका प्राथमिकता से पंजीकरण कराया जाएगा। फार्मर रजिस्ट्रेशन एवं बकेट क्लेम्ड की जिला, तहसील, ग्राम एवं ग्राम पंचायत स्तर की प्रोग्रेस मॉनिटरिंग रिपोर्ट्स के आधार पर अभियान की दैनिक एवं साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा की जाएगी। जिला स्तर पर जिला नोडल अधिकारी तथा तहसील स्तर पर तहसीलदार अभियान की नियमित मॉनिटरिंग एवं फॉलो-अप सुनिश्चित करेंगे। फार्मर रजिस्ट्री के अंतर्गत प्रत्येक किसान आईडी बनाए जाने पर पटवारियों को 10 रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्रावधान है।
जिला कलक्टर ने उपखण्ड अधिकारियों को अभियान की कार्ययोजना एवं प्रस्ताव आज, गुरुवार, 27 अगस्त को ही भू-अभिलेख अनुभाग, जिला कलक्टर कार्यालय को भिजवाने के निर्देश दिए हैं। अभियान की प्रगति की राज्य स्तर पर नियमित समीक्षा की जाएगी तथा निर्धारित अवधि में फार्मर रजिस्ट्री के शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित की जाएगी।

149 वीं समुत्कर्ष मासिक विचार गोष्ठी

## रक्षा बन्धन के स्नेह-सूत्र से हो पारिवारिक सामाजिक समरसता का संधान

राजस्थान दर्शन

**उदयपुर ।** राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पुनरुत्थान एवं वैचारिक चेतना को समर्पित शीर्षस्थ संस्था 'समुत्कर्ष समिति' के तत्वावधान में रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर 'रक्षाबंधन :भाई- बहन के रिश्ते से सामाजिक समरसता तक' विषयक 149 वीं समुत्कर्ष मासिक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भ्रातृभाव के उस अमूल्य अंकुर का नव-सिंचन है, जो काल की धारा के साथ सामाजिक समरसता के अक्षुण्ण एवं छायादार वटवृक्ष का रूप धारण कर लेता है।
वक्ताओं ने कहा कि कलाई पर बंधा सूक्ष्म रेशमी सूत्र मात्र भावुकता की एक क्षणिक प्रतिज्ञा नहीं, अपितु संपूर्ण सामाजिक चेतना को आत्मीयता, संवेदनशीलता और अखंडता के एक अविभाज्य सूत्र में पिरोने का वह समर्थ अनुष्ठान है, जहाँ विभेदों का अवसान होकर समरसता सुशोभित होती है। वक्ताओं का अभिमत था कि श्रीमद्भागवत और लोक-परंपराओं में वर्णित द्रौपदी और श्रीकृष्ण का प्रसंग केवल रक्षा बन्धन नहीं, बल्कि सामाजिक संरक्षण का प्रतीक है। जब द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर श्रीकृष्ण की उंगली पर बांधा था, तो वह एक बहन का भ्रातृभाव था। बदले में श्रीकृष्ण ने चीर-हरण के समय द्रौपदी की लाज बचाकर यह सिद्ध किया कि सच्चा रक्षा बन्धन भाव समाज में स्त्री के सम्मान और सामाजिक न्याय की रक्षा का सबसे बड़ा स्तंभ है।
इस अवसर पर शिक्षाविद आर्य सत्यप्रिय ने कहा कि भ्रातृभाव से समरसता की ओर यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि वह वैचारिक सेतु है जो व्यक्तिगत संबंधों की संकुचित सीमाओं को तोड़कर संपूर्ण समाज को एक आत्मीय सूत्र में पिरोता है। जब रक्षाबंधन जैसे पर्व पर एक बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधती है, तो वह केवल एक व्यक्ति के प्रति रक्षा का वचन नहीं मांगती, बल्कि उसमें संपूर्ण समाज के प्रति सद्भाव और संरक्षण की भावना अंतर्निहित होती है। विचार गोष्ठी में मंगलाचरण का पाठ शिक्षाविद् पीयूष दशोरा ने किया द्य उमंग पण्ड्या, कविता चौधरी, संदीप आमेटा, विद्यासागर, तरुण कुमार दाधीच ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। समुत्कर्ष पत्रिका के उप संपादक गोविन्द शर्मा द्वारा ने ऑनलाइन जुड़े सभी संभागियों एवं वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि गोष्ठी का यह विमर्श समाज को एक नई वैचारिक दिशा देगा। समुत्कर्ष विचार गोष्ठी का संचालन शिवशंकर खण्डेलवाल ने किया । इस ऑनलाइन विचार गोष्ठी में तोषी सुखवाल, भावेश पटेल, लोकेश जोशी, सुदर्शना भट्ट, गोपाल माली, भूपेन्द्र उबाना, डॉ अनिल कुमार दशोरा, वीणा जोशी, पुष्कर सैनी, रामेश्वर प्रसाद शर्मा, चैनशंकर दशोरा तथा रश्मि मेहता भी सम्मिलित हुए।

रक्षक को बांधा रक्षा सूत्र, लिया आशीर्वाद

## पहाड़ा थाना पुलिसकर्मियों को बांधी राखी, आदर्श विद्यालय में आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं

**नयागांव।** नयागांव उपखंड के आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय थाणा में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक विविधताओं के साथ मनाया गया। समारोह के तहत विद्यालय की छात्राओं ने पुलिस थाना पहाड़ा पहुंचकर थानाधिकारी राजेश मीणा एवं समस्त पुलिसकर्मियों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु की कामना की तथा सुरक्षा का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम प्रभारी साक्षी बारोट एवं हिना शेख के अनुसार विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए राखी मेकिंग, निबंध लेखन एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं ने अपने सहपाठी छात्रों की कलाई पर भी प्यार और आत्मीयता से रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया।
कार्यक्रम में पहाड़ा थानाधिकारी राजेश मीणा, सहायक निदेशक ईश्वर लाल पटेल एवं प्रधानाचार्य खेमराज प्रजापत विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए पर्व के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला।
इस अवसर पर विद्यालय की आचार्याओं ने आचार्यों को रक्षा सूत्र बांधकर परंपरागत रूप से पर्व का सहर्ष निर्वहन किया।

## ऑपरेशन त्रिनेत्रः सायबर ठगी के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार, 4 माह से थे फरार

**सलूंबर/झल्लारा।** सायबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत झल्लारा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सायबर ठगी की रकम अपने बैंक खातों में मंगवाने और आगे ट्रांसफर करने के लिए खाते उपलब्ध कराने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी करीब चार महीने से पुलिस से बचकर चल रहे थे। पुलिस ने तकनीकी और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की मदद से दोनों को गुजरात के अहमदाबाद क्षेत्र से दबोचा। कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक सलूंबर विश्नाराम बिश्नोई के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन चावला और वृत्ताधिकारी सलूंबर राजीव राहड़ के सुपरविजन में झल्लारा थानाधिकारी धर्मेंद्र सिंह वागेला के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार झल्लारा थाने में दर्ज प्रकरण संख्या 92/2026 में धारा 318(4), 319(2) बीएनएस एवं 66(डी) आईटी एक्ट के तहत जांच चल रही थी। इसी तरह प्रकरण संख्या 102/2026 में भी इन्हीं धाराओं के तहत मामला दर्ज था। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी अपने बैंक खाते दूसरे लोगों को उपलब्ध करवाते थे। इन खातों में सायबर ठगी से प्राप्त रकम मंगवाई जाती थी और बाद में उसे अन्य खातों में ट्रांसफर किया जाता था।

## श्री महाकाल धाम कारछा में पांच दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ

राजस्थान दर्शन

**खेरवाड़ा।** श्री महाकाल धाम कारछा में पहली बार पांच दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन बुधवार से प्रारंभ हुआ। संत-महात्माओं के शुभ आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस कथा के प्रथम दिवस पर कथा आयोजन समिति की ओर से कथा व्यास तिलकेश जोशी का फूलमाला एवं साफा पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया गया। वहीं व्यास पीठ की ओर से श्री महाकाल धाम कारछा के सेवायत श्री सोहन लाल औदिच्य का तिलक लगाकर एवं उपरणा पहनाकर अभिनंदन किया गया। सेवायत श्री सोहन लाल औदिच्य ने बताया कि कथा के प्रथम दिवस कथा व्यास तिलकेश जोशी ने प्रथम तीन ज्योतिर्लिंगों—श्री सोमनाथ, श्री मल्लिकार्जुन एवं श्री महाकालेश्वर—की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने भगवान भोलेनाथ और भगवान श्रीकृष्ण के मध्य आध्यात्मिक संबंधों पर भी प्रकाश डाला। कथा के दौरान वृंदावन धाम में भगवान भोलेनाथ के गोपीश्वर स्वरूप के प्राकट्य एवं उससे जुड़े प्रसंग का भी भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भक्तिभाव से भावविभोर हो गए। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान शिव की महिमा का

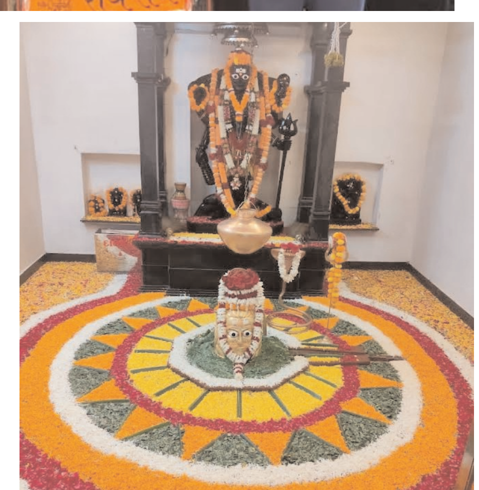

श्रवण किया और कथा का लाभ लिया।

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में उदयपुर में 2 बड़ी कार्रवाई

# गोगुंदा में 20 ड्रमों में भरा 3600 लीटर अवैध स्पिरिट किया बरामद

### निकाय चुनाव आचार संहिता में अवैध शराब के निर्माण में उपयोग होना था स्पिरिट

राजस्थान दर्शन

**उदयपुर।** आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में निकाय आदर्श आचार संहिता के दौरान आबकारी दल ने मुखबिर की सूचना पर उदयपुर के गोगुंदा में 2 बड़ी कार्रवाई में 20 ड्रमों में भरकर रखा 3600 लीटर अवैध स्पिरिट जब्त करते हुए मौके से अभियुक्त को गिरफ्तार किया। बरामद स्पिरिट की अनुमानित कीमत 4 लाख रूपए है जिसका उपयोग निकाय चुनाव के दौरान अवैध शराब के निर्माण में किया जाना था। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त नीति प्रदीप सिंह सांगावत एवं उपायुक्त आबकारी निरोधक दल जोन उदयपुर प्रद्युम्न सिंह चुण्डावत को मुखबिर से प्राप्त विश्वसनीय सूचना पर उदयपुर की गोगुंदा तहसील में नेशनल हाईवे 27 पर खोखरिया की नाल के समीप बालाजी रेस्टोरेन्ट पर 26 अगस्त को आबकारी अधिकारी उदयपुर विकास बीठू के नेतृत्व में प्रहराधिकारी उदयपुर दौलत सिंह एवं प्रहराधिकारी गोगुंदा कैलाशचन्द्र सहित मय जाब्ता दबिष दी गई। कार्रवाई में 8 ड्रमों में 1600 लीटर, 2 ड्रमों में 100 लीटर सहित कुल 10 ड्रमों में 1700 लीटर स्पिरिट जब्त करते हुए मौके से अभियुक्त प्रकाश मेघवाल निवासी सांचैर को गिरफ्तार किया गया।

### अनुसंधान से मिली सूचना पर दूसरी कार्रवाई

उपायुक्त ईपीएफ उदयपुर प्रद्युम्न सिंह चुण्डावत के निकट सुपरविजन में गोगुंदा में पहली कार्रवाई में गिरफ्तार अभियुक्त प्रकाश मेघवाल से शुरूआती पूछताछ में मिली सूचना के आधार पर गोगुंदा के ग्राम उखलियाद में रमेश गरासिया के मकान पर आबकारी टीम द्वारा दबिष दी गई। कार्रवाई में उक्त मकान से 9 ड्रमों में 1800 लीटर एवं 1 ड्रम में 100 लीटर सहित कुल 10 ड्रमों में भरकर रखा 1900 लीटर अवैध स्पिरिट जब्त किया गया। अभियुक्त मौके से फरार हो गया। इस प्रकार गोगुंदा में अलग- अलग स्थानों पर 2 बड़ी कार्रवाई कर आबकारी टीम ने 20 ड्रमों में भरकर रखा 3600 लीटर अवैध स्पिरिट जब्त किया जिसकी अनुमानित कीमत 4 लाख रूपए आंकी गई है।

### स्पिरिट से अवैध मदिरा का निर्माण

प्रदेष में निकाय चुनावों के तहत आचार संहिता प्रभावी है इसी क्रम में चुनाव के दौरान स्पिरिट के बडे स्टॉक को जब्त कर आबकारी निरोधक दल को बड़ी सफलता मिली है। उल्लेखनीय है कि जब्त स्पिरिट के माध्यम से बडी मात्रा में अवैध मदिरा का निर्माण कर चुनाव के दौरान उपयोग किया जाना था। उक्त कार्रवाई के तहत अग्रिम अनुसंधान जारी है।

### पुनावली में बुजुर्ग दंपती की दोहरी हत्या का खुलासा:

# पड़ोसी ने साथियों के साथ मिलकर हथौड़े से सिर पर वार कर हत्या की, शवों को लोहे के संदूक में छिपाया; लूट की नीयत से रची थी साजिश

राजस्थान दर्शन

**गोगुंदा।** सायरा थाना क्षेत्र के पुनावली गांव में बुजुर्ग दंपती की सनसनीखेज दोहरी हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने लूट की नीयत से 70 वर्षीय लेहरीलाल पालीवाल और उनकी 67 वर्षीय पत्नी राधाबाई की हत्या की थी। वारदात के बाद दोनों के शवों को प्लास्टिक की थैलियों में पैक कर लोहे के बड़े संदूक (मंजूषा) में बिस्तरों के नीचे छिपा दिया गया। आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए दंपती के मोबाइल फोन भी घर से दूर हाईवे पर फेंक दिए थे। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी कुशल उर्फ खुशी पालीवाल सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वारदात में प्रयुक्त वाहन भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी को जानकारी थी कि बुजुर्ग दंपती घर में अकेले रहते हैं और लेहरीलाल लोगों को रुपए उधार देते थे। इसी जानकारी के आधार पर करीब एक से डेढ़ साल पहले चोरी की साजिश शुरू की गई थी।

### 12 अगस्त को भाई ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी की रिपोर्ट

पुलिस के अनुसार 12 अगस्त को लेहरीलाल के छोटे भाई धूलीराम पालीवाल ने थाने में रिपोर्ट दी थी कि उनके बड़े भाई लेहरीलाल और भाभी राधाबाई घर पर नहीं हैं। घर का गेट खुला मिला था। काफी तलाश के बाद भी दोनों का पता नहीं चला। फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया तो दोनों के मोबाइल बंद मिले।

रिपोर्ट पर पुलिस ने एमपीआर नंबर 39/2026 दर्ज कर दंपती की तलाश शुरू की। थाना अधिकारी के नेतृत्व में टीम गठित कर गांव और आसपास के इलाकों में जांच की गई।

### घर के अंदर ही संदूक में मिले दोनों के शव

पुलिस टीम ने तलाश के दौरान 14 अगस्त को दंपती के घर के अंदर रखे लोहे के बड़े संदूक से दोनों के शव बरामद किए। शव प्लास्टिक की थैलियों में पैक थे और उन्हें बिस्तरों के नीचे छिपाया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम, एमओबी टीम और डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया गया। टीमों ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। दोनों शवों को परिजनों की सहायता से महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी, उदयपुर भेजा गया।

### ऐसे रची वारदात की साजिश

जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी कुशल पालीवाल को ऐशो-आराम की जिंदगी जीने का शौक था और वह लगातार बढ़ते कर्ज के जाल में फंस गया था। इसी आर्थिक दबाव में उसने बुजुर्ग दंपती को लूटने और उनकी हत्या करने की योजना बनाई। करीब एक महीने पहले आरोपियों ने वारदात की रूपरेखा तैयार करना शुरू की। कुशल अपने साथी चंदन यादव, विकास खरवड़ और दिलीप चौधरी के साथ पुनावली पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने दंपती के घर और उनकी दिनचर्या की रेकी की। कुशल ने अपने चचेरे भाई किशन और जीवन पालीवाल को भी योजना में शामिल कर लिया। 9 अगस्त को आरोपी साथियों के साथ क्षेत्र में आया और अगले दिन 10 अगस्त को फिर पुनावली पहुंचा। आरोपियों ने मौका देखकर घर में प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा बंद होने के कारण वापस लौटना पड़ा।

### पहले हथौड़ा लेकर आया, फिर अगले दिन हत्या

पुलिस के मुताबिक 10 अगस्त को आरोपी कुशल अपने साथी चंदन के साथ दंपती के घर गया था। राधाबाई ने दोनों को पड़ोसी होने के कारण घर में प्रवेश दिया और खाना भी खिलाया। आरोपियों ने सोने का नाटक करते हुए मौके का इंतजार किया। लेकिन लोगों की आवाजाही के कारण उस दिन वारदात नहीं कर सके। इस दौरान कुशल लेहरीलाल के घर से रखा हथौड़ा अपनी पेंट में छिपाकर ले गया। 11 अगस्त की सुबह कुशल और चंदन फिर दंपती के घर पहुंचे। दरवाजा बंद होने के कारण अंदर प्रवेश नहीं कर सके। इसके बाद आरोपियों ने तय किया कि रात में रेकी में मदद करने वाले जीवन और किशन की सहायता से घर में प्रवेश किया जाएगा। रात में किशन और जीवन ने दंपती के घर पहुंचकर राधाबाई का ध्यान भटकाया और मुख्य दरवाजा खुलवाया। दोनों ने अंदर प्रवेश करने का बहाना बनाया और बाद में बाहर निकल गए। इसी दौरान कुशल पहले से घर के अंदर बाथरूम में छिप गया। जीवन और किशन के बाहर निकलने के बाद कुशल ने अपने साथियों को संदेश देकर बुलाया। रात में दंपती के सो जाने का इंतजार किया गया। इसके बाद चंदन, विकास और दिलीप भी घर में दाखिल हुए। पुलिस के अनुसार सभी आरोपी ऊपर की मंजिल पर पहुंचे और सो रहे लेहरीलाल के सिर पर हथौड़े से वार कर उनकी हत्या कर दी। राधाबाई को वारदात की भनक न लगे, इसके लिए जिस कमरे में वह सो रही थीं, उसे अंदर से बंद कर दिया गया था।

### राधाबाई को भी गला घोंटकर मार डाला

लेहरीलाल की हत्या के बाद आरोपियों ने सुबह राधाबाई के उठने का इंतजार किया। जैसे ही वह उठकर नहाने जाने लगीं, चंदन ने उनका मुंह दबा दिया, ताकि उनकी आवाज बाहर नहीं जा सके। इसके बाद कुशल ने गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने राधाबाई के पहने हुए गहने और चाबी अपने कब्जे में ले ली। चाबी से अलमारी खोलकर नकदी और अन्य जेवरात भी निकाल लिए गए। इसके बाद दोनों शवों को प्लास्टिक की थैलियों में पैक किया गया और लोहे के बड़े संदूक में बिस्तरों के नीचे छिपा दिया गया। आरोपियों ने शवों से बदबू बाहर न आए और कई दिनों तक परिजनों को घटना का पता न चले, इसके लिए शवों को इस तरह छिपाया था।

### पुलिस को गुमराह करने के लिए मोबाइल हाईवे पर फेंके

वारदात के बाद आरोपियों ने दंपती के मोबाइल फोन अपने पास रखे और बाद में पुलिस व परिजनों को गुमराह करने के लिए उन्हें हाईवे पर रास्ते में फेंक दिया। आरोपियों ने दंपती की चप्पलें भी गायब कर दीं, ताकि ऐसा लगे कि दोनों अपनी मर्जी से कहीं चले गए हैं। पुलिस टीम ने पारंपरिक जांच के साथ तकनीकी और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण का सहारा लिया। अलग-अलग स्रोतों से सूचना जुटाकर आरोपियों की पहचान की गई और उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। जांच में आरोपियों की गतिविधियों, आपसी संपर्क और वारदात से पहले की गतिविधियों को जोड़ते हुए पुलिस मुख्य आरोपियों तक पहुंची। मामले में फरार चल रहे शेष आरोपी विकास की तलाश के लिए एक टीम गुजरात भेजी गई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर वारदात में लूटी गई नकदी, जेवरात और अन्य सामान की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

### कर्ज के जाल में फंसा था मुख्य आरोपी

पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी कुशल पालीवाल को महंगी जीवनशैली का शौक था। इसी कारण वह लोगों और बैंकों से लिए गए कर्ज और लोन की रकम समय पर नहीं चुका पा रहा था। लगातार बढ़ते कर्ज और आर्थिक तंगी के बीच उसे बुजुर्ग दंपती के घर में बड़ी रकम और जेवर होने की जानकारी थी। इसी आर्थिक दबाव में उसने लूट और हत्या की वारदात को अंजाम देने की साजिश रची।

### इन पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

कुशल उर्फ खुशी पालीवाल, 26 वर्ष, निवासी पुनावली, थाना सायरा, वर्तमान निवासी सूरत।

चंदन यादव, 27 वर्ष, निवासी बिहार, वर्तमान निवासी सूरत।

दिलीप चौधरी, 30 वर्ष, निवासी पाड़ी, जिला सूरत।

किशन पालीवाल, 21 वर्ष, निवासी पुनावली, थाना सायरा।

जीवन पालीवाल, 21 वर्ष, निवासी पुनावली, थाना सायरा।

### बड़ी पुलिस टीम ने संभाला था ऑपरेशन

दोहरी हत्या के खुलासे में सायरा थाना पुलिस के साथ उदयपुर जिला विशेष टीम, साइबर सेल, गोगुंदा, गोवर्धन विलास और बेकरिया थाना पुलिस की टीमों ने अहम भूमिका निभाई। ऑपरेशन में थानाधिकारी शैतान सिंह, गोगुंदा थानाधिकारी प्रवीण सिंह राजपुरोहित, डीएसटी प्रभारी भरत योगी, गोवर्धन विलास थानाधिकारी सुनील चारण, राजसमंद साइबर सेल के फेलीराम उपनिरीक्षक, बेकरिया थानाधिकारी रामावतार मीणा, सायरा थानाधिकारी राजेंद्र सिंह, सायरा पुलिस के हंवर सिंह व गणपतनाथ, तथा जिला विशेष टीम और साइबर सेल के अधिकारियों-कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम ने मौके की घेराबंदी से लेकर एफएसएल, डॉग स्क्वायड, तकनीकी जांच, संदिग्धों की निगरानी और गुजरात तक दबिश देने की कार्रवाई की।

## ऑपरेशन त्रिनेत्र में झल्लारा पुलिस की दूसरी बड़ी कार्रवाई: सायबर ठगी के मामलों में 3 आरोपी गिरफ्तार

राजस्थान दर्शन

**सलूंबर/झल्लारा।** सायबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत झल्लारा थाना पुलिस ने एक साथ दो सायबर ठगी के मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रकरण संख्या 188/2026 में दो आरोपियों और प्रकरण संख्या 187/2026 में एक आरोपी को पकड़ा है। तीनों पर सायबर ठगी से जुड़े मामलों में बैंक खातों और डिजिटल लेन-देन के माध्यम से अपराध में सहयोग करने का आरोप है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक सलूंबर विश्नाराम बिश्नोई के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन चावला और वृत्ताधिकारी सलूंबर राजीव राहड़ के सुपरविजन में झल्लारा थानाधिकारी धर्मेंद्र सिंह वागेला के नेतृत्व में की गई।

**दो अलग-अलग मामलों में हुई गिरफ्तारी**

पुलिस के अनुसार प्रकरण संख्या 188/2026 में धारा 319(2), 318(4) बीएनएस एवं 66(डी) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज था। इसमें पुलिस ने लोकेश पुत्र गांगजी पटेल, उम्र 26 वर्ष, निवासी ईटालीखेड़ा, थाना झल्लारा और पंकज पुत्र गांगजी पटेल, उम्र 20 वर्ष, निवासी ईटालीखेड़ा को गिरफ्तार किया। वहीं प्रकरण संख्या 187/2026 में धारा 319(2), 318(4) बीएनएस एवं 66(डी) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसमें पुलिस ने कथित म्यूल अकाउंट धारक बहादुर पुत्र देवीलाल मीणा, उम्र 24 वर्ष, निवासी जाम्बूखेड़ा, थाना झल्लारा को गिरफ्तार किया।

**सायबर ठगी की रकम और खातों के संबंध में जांच**

पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच का मुख्य फोकस सायबर ठगी की रकम के लेन-देन, बैंक खातों के इस्तेमाल, आरोपियों के संपर्क में रहे लोगों और सायबर अपराध से जुड़े नेटवर्क पर है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपियों ने किसी अन्य व्यक्ति को अपने बैंक खाते उपलब्ध करवाए थे या नहीं। जिला पुलिस की ओर से सायबर अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रखने की बात कही गई है। कार्रवाई में झल्लारा थानाधिकारी धर्मेंद्र सिंह वागेला, सहायक उपनिरीक्षक पुंजीलाल मीणा, हेड कांस्टेबल गजराज सिंह, कांस्टेबल कान सिंह, कांस्टेबल कपिल सुथार, तथा साइबर सेल सलूंबर के हेमेंद्र सिंह और युवराज सिंह शामिल रहे।

## तलवार की नोक पर भाई-बहन से लूटपाट, 5 तोले का मंगलसूत्र और नकदी ले उड़े बदमाश

राजस्थान दर्शन

**झाड़ोल।** झाड़ोल थाना क्षेत्र के उंडावेला के पास बुधवार रात अज्ञात बदमाशों ने बाइक सवार भाई-बहन को रोककर तलवार की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश भाई से 8 हजार रुपए नकद, मोबाइल व जरूरी दस्तावेज तथा बहन से 5 हजार रुपए नकद, कपड़ों से भरा बैग और करीब 5 तोले का सोने का मंगलसूत्र सहित गोल्ड-प्लेटिनम हार लूटकर फरार हो गए। वारदात के दौरान बदमाशों ने मुकेश पर उल्टी तलवार से हाथ, पीठ और हेलमेट पर वार भी किए।

जानकारी के अनुसार, झाड़ोल निवासी मुकेश सोनी बुधवार रात करीब 9 बजे अपनी बहन लक्ष्मी के साथ बाइक से उदयपुर से झाड़ोल लौट रहे थे। उंडावेला के पास पहुंचने पर अज्ञात बदमाशों ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बाइक रुकते ही बदमाशों ने दोनों को घेर लिया और हथियार के बल पर लूटपाट शुरू कर दी।

बदमाशों ने मुकेश सोनी का पर्स छीन लिया, जिसमें 8 हजार रुपए नकद और जरूरी दस्तावेज थे। इसके अलावा मोबाइल फोन भी लूट लिया। वहीं, लक्ष्मी के पास मौजूद बैग छीन लिया, जिसमें 5 हजार रुपए नकद और कपड़े थे। बदमाशों ने लक्ष्मी के गले से करीब 5 तोले का सोने का मंगलसूत्र और गोल्ड-प्लेटिनम हार भी लूट लिया।

वारदात के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। पीड़ित भाई-बहन किसी तरह घर पहुंचे और परिजनों को घटना की जानकारी दी। गुरुवार सुबह झाड़ोल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें गठित की हैं। थानाधिकारी का कहना है कि जल्द ही वारदात का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

## नगर निकाय - 2026: अधिसूचना जारी, नामांकन शुरू

### पहले दिन उदयपुर जिले में 7 उम्मीदवारों ने भरे पर्चे

**उदयपुर।** नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत गुरूवार को अधिसूचना जारी होने के साथ नगर निकायों में नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। पहले दिन जिले में कुल 7 उम्मीदवारों ने 7 नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही जिले के नगरीय निकाय क्षेत्रों में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। आने वाले दिनों में नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों की संख्या में तेजी आना तय है। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार गुरूवार को अधिसूचना जारी होने के साथ ही जिले के सभी नगर निकायों में नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हुई। पहले दिन उदयपुर नगर निगम में दो उम्मीदवारों ने पर्चे दाखिल किए। वहीं भीण्डर और वल्लभनगर नगर पालिकाओं में 2-2 एवं फतहनगर सनवाड़ नगरपालिका में एक उम्मीदवार ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। नगरपालिका मावली और कानोड़ में पहले दिन एक भी नामांकन दाखिल नहीं हुआ। नगर निकाय चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 अगस्त को अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित है। इस बीच 28 अगस्त को रक्षाबंधन का अवकाश होने तथा 30 अगस्त को रविवारिय अवकाश होने से उस दिन नामांकन पत्र जमा नहीं होंगे। 29 अगस्त शनिवार को नामांकन प्रक्रिया जारी रहेगी।

# उमरड़ा में पैंथर का आतंक, एक मौत के बाद भी वन विभाग बेबस : पैंथर हर बार बदल रहा ठिकाना, विभाग की पूरी कवायद पड़ रही भारी!

### मवेशी भी हटाए, वन विभाग के पिंजरे-प्रयास बेअसर !

राजस्थान दर्शन

**उदयपुर।** उमरड़ा खेड़ा गांव में पैंथर के लगातार हमलों ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। बुधवार को कुछ ही घंटों में एक के बाद एक चार लोगों पर हमला करने वाले पैंथर के हमले में घायल लोगर पिता जग्गा की मौत के बाद पूरे इलाके में दहशत और बढ़ गई है। दो घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। हालात को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात के तौर पर 12 परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया है। गुरुवार को इन परिवारों के मवेशियों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। लोगर की मौत के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार किया। उधर, ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। गिर्वा तहसीलदार गणेश कुमार विजयवर्गीय की देखरेख में प्रशासन की टीम गांव में मुस्तैद है, लेकिन वन विभाग के सामने पैंथर को पकड़ना अब भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। पिंजरे लगाने और निगरानी सहित विभाग के अब तक के प्रयासों के बावजूद पैंथर लगातार जगह बदल रहा है।

**वन विभाग की रणनीति को मात दे रहा पैंथर, हर हमले के बाद बदल रहा ठिकाना**

ग्रामीणों का कहना है कि पैंथर का व्यवहार सामान्य नहीं है। वह लगातार अपनी जगह बदल रहा है और वन विभाग की गतिविधियों को भांपकर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि जिस इलाके में उसकी मौजूदगी की आशंका होती है, वहां निगरानी बढ़ने के बाद वह दूसरे क्षेत्र में पहुंच जाता है।

इससे पहले भी उमरड़ा रेलवे स्टेशन के आसपास पैंथर की मौजूदगी सामने आई थी। कुछ महीने पहले स्टेशन क्षेत्र में पैंथर ने एक यात्री पर हमला कर उसे घायल कर दिया था। इसके बाद वन विभाग ने वहां पिंजरा लगाया, लेकिन पैंथर ने अपना रास्ता बदल दिया। कुछ समय बाद इसी इलाके में जंगल में मवेशियों का शिकार करते वक्त एक व्यक्ति पर हमले का प्रयास किया गया, लेकिन पैंथर वहां से भाग निकला।

इसके बाद कई दिनों तक उस इलाके में पैंथर की मूवमेंट दिखाई नहीं दी। ग्रामीणों के अनुसार इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमले या शिकार के बाद पैंथर सक्रिय मोड में आता है और फिर अपना ठिकाना बदल लेता है।

### पहले कुत्तों को बनाया शिकार, फिर इंसानों पर बढ़े हमले

उमरड़ा गांव में भी पहले पैंथर द्वारा कुत्तों को उठाकर ले जाने की घटनाएं सामने आई थीं। इसके बाद काफी लंबे समय तक पैंथर उस क्षेत्र में नजर नहीं आया। अब अचानक लगातार इंसानों पर हमलों से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पैंथर जंगल की सीमा तक सीमित रहने के बजाय आबादी के आसपास पहुंच रहा है। वह लोगों की मौजूदगी के बीच भी शिकार करने का प्रयास कर रहा है। इससे गांव में शाम होते ही सन्नाटा पसर जाता है और लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं।

### युवा और आक्रामक पैंथर होने का ग्रामीणों का दावा

ग्रामीणों के मुताबिक पैंथर युवा और बेहद आक्रामक स्वभाव का दिखाई दे रहा है। वह लोगों के बीच आने से भी नहीं डर रहा। कई मौकों पर पैंथर ने लोगों के सामने ही शिकार करने का प्रयास किया और हमला करने के बाद शिकार को उठाकर ले जाने की कोशिश की। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं, लेकिन पैंथर भी विभाग की गतिविधियों को भांपकर अपनी दिशा बदल रहा है। यही वजह है कि पैंथर को पकड़ने के लिए की जा रही कवायद बार-बार चुनौती में बदल रही है।

### ग्रामीणों का सवाल–आखिर कब पकड़ा जाएगा पैंथर?

लगातार हो रहे हमलों के बाद ग्रामीण अब वन विभाग से पैंथर को जल्द पकड़ने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक पैंथर पकड़ा नहीं जाता, तब तक गांव में भय का माहौल खत्म नहीं होगा। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को अकेले घर से बाहर भेजना मुश्किल हो गया है। प्रशासन की ओर से लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई है। वहीं वन विभाग की टीमें पैंथर की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। हालांकि अब तक पैंथर का लगातार जगह बदलना विभाग के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।

### बुधवार को चार लोगों पर हमले से मची थी अफरा-तफरी

बुधवार सुबह पैंथर ने जग्गा पिता कालू, कालू पिता उदा और हितेश पिता गांगा पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। अचानक हुए हमले से गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग घायलों को बचाने के लिए दौड़े और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इसके बाद दोपहर में पैंथर ने लोगरी पत्नी गांगा को घर के आंगन में ही निशाना बना लिया। पैंथर के अचानक हमले से महिला घायल हो गई। ग्रामीणों ने शोर मचाकर पैंथर को भगाया। एक ही दिन में लगातार हमलों से पूरे क्षेत्र में भय का माहौल बन गया।

### एक मौत के बाद प्रशासन ने बढ़ाई सुरक्षा

हमले में घायल लोगर पिता जग्गा की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा, जिसके बाद अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ाते हुए 12 परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराया है। गुरुवार को इन परिवारों के मवेशियों को भी वहां से हटाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया, ताकि पैंथर को आबादी के आसपास आने से रोका जा सके।

# 15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

नीरज कुमार दुबे

**देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है।**

भारतीय विदेश मंत्रालय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है। हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से सांप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बड़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।

उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का निवेश फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है।

अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्जियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्तलिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है।

इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं और यही मोदी की रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

लेकिन असली भू-राजनीतिक धमाका इसके बाद हो सकता है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन और शी चिनफिंग की मौजूदगी की संभावना भारत की कूटनीतिक हैसियत को और मजबूत करेगी। यदि मोदी, पुतिन और शी एक ही मंच पर लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलते हैं, तो यह किसी औपचारिक मित्रता की घोषणा नहीं होगी; लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय निर्देशों पर नहीं चलती।

भारत, रूस और चीन के बीच मतभेद मौजूद हैं, विशेषकर भारत-चीन संबंधों में। इसलिए इसे किसी स्थायी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। मगर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक शासन सुधार, ग्लोबल साउथ की आवाज, ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं के सवाल पर तीनों देशों की बातचीत का प्रभाव अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों तक जरूर पहुंचेगा।

मोदी की उज्बेकिस्तान से बिश्केक और फिर नई दिल्ली तक फैली यह कूटनीतिक श्रृंखला एक बड़े संदेश का निर्माण करती है। संदेश यह है कि भारत अब मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, रूस के साथ पुराने रणनीतिक संबंधों को नए आर्थिक आधार दे रहा है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद, दोनों को एक साथ साध रहा है और ब्रिक्स जैसे मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की राजनीति को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन के लिए संदेश इसलिए असहज हो सकता है, क्योंकि दबाव, टैरिफ और रणनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति भारत को किसी खेमे में बांधने की गारंटी नहीं देती।

बहरहाल, मोदी की कूटनीति का मूल मंत्र साफ दिखाई देता है कि जहां भारत का हित, वहीं भारत का हाथ। अगले कुछ सप्ताह में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच शायद यही साबित कर दें कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत अपनी शर्तों पर चाल चलने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

## संपादकीय

### आत्महंता होनहार

राजस्थान के कोटा से एक और दुखद खबर आई। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने फंदा लगाकर जान दे दी। इसके अलावा विचलित करने वाली यह खबर भी है कि पिछले पांच सालों में देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी में 70 होनहारों ने आत्महत्या की। गंभीर चिंता यह भी कि जुलाई से शुरू हुए सत्र में अब तक आईआईटी के तीन और आईआईएम का एक छात्र आत्महत्या कर चुका है। वहीं आईआईएससी बंगलूरु में भी पंद्रह दिन में दो छात्रों ने आत्मघात किया है। विडंबना यह है कि इन आंकड़ों में देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के आत्मघात के मामले शामिल नहीं किए जाते हैं। जिससे देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की वास्तविक तस्वीर सामने नहीं आ पाती। यह अकल्पनीय है कि जिन इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला लेना छात्रों का सपना होता है, वहां पहुंचकर कोई छात्र आत्महत्या क्यों कर लेता है? विचारणीय प्रश्न है कि आखिर ये छात्र आत्मघाती कदम क्यों उठा रहे हैं? क्या वे इंजीनियरिंग आदि के पाठ्यक्रम के साथ साम्य नहीं बैठा पाते? क्या सिस्टम की खामियां उन्हें हताश करती हैं? क्या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के छात्र अंग्रेजी के पाठ्यक्रम के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते हैं? अक्सर चर्चा होती है कि उच्च इंजीनियरिंग संस्थानों में देश के चर्चित व महंगे अंग्रेजी स्कूलों से आए छात्रों द्वारा भाषा,जाति, ग्रामीण पृष्ठभूमि तथा आर्थिक स्तर पर अन्य छात्रों के साथ भेदभाव किया जाता है। आरोप है कि अंग्रेजी माध्यम से आये छात्र हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं से पढ़ाई कर-के आए छात्रों को हेय दृष्टि से देखते हैं। आरोप तो यहां तक हैं कि कुछ शिक्षक भी ऐसे छात्रों के प्रति दुराग्रह रखते हैं। कमोबेश ऐसी चिंताएं ग्रामीण पृष्ठभूमि व वंचित समाज से आए छात्रों को लेकर भी सामने आती हैं। नये छात्रों को परिसर तथा छात्रावासों में भेदभाव जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। फलतः इन छात्रों का आत्मविश्वास डिगता है। कालांतर वे अपनी कक्षाओं की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बना पाते व हताशा में आत्मघात की राह चुनते हैं। इंजीनियरिंग व प्रबंधन से जुड़े देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घातक प्रवृत्ति के मद्देनजर सरकार ने मामले की पड़ताल के लिए पिछली जनवरी में तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। इस समिति ने भी स्वीकार किया था कि व्यवस्था में कुछ खामियां जरूर हैं, जिसके चलते छात्र आत्मघात के लिये बाध्य होते हैं। दरअसल, कुछ छात्र शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक, आर्थिक व पारिवारिक आकांक्षाओं के बोझ के साथ अध्ययन कर रहे होते हैं। जिससे उनके मन में यह भय पैदा हो जाता है कि क्या वे अपने जीवन के लक्ष्य हासिल भी कर पाएंगे? बड़ी संख्या में मध्यमवर्गीय, गरीब परिवारों व वंचित समाज की प्रतिभाएं खून-पसीना एक करके इन संस्थानों में दाखिला लेती हैं। उन पर मानसिक दबाव होता है कि परिवार ने पेट काटकर और कर्ज आदि लेकर उन्हें महंगे इंजीनियरिंग व प्रबंधन संस्थानों में दाखिला दिलाया है। यदि वे असफल हुए तो परिवार को क्या मुंह दिखाएंगे? दूसरा, हमारे समाज में इंजीनियर, प्रबंधक व डॉक्टर बनने की भेड़चाल चल रही होती है।

## चिंतन-मनन

### प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दशार्ता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

# नेपाल जलप्रलय को समझें प्रकृति की चेतावनी

डॉ. हिदायत अहमद खान

नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा ने भारत को भी झकझोर कर रख दिया है। इस आपदा में जहां 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, वहीं 133 भारतीयों समेत हजार से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा भी बना हुआ है। इस विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को एक बार फिर पूरी भयावहता के साथ रेखांकित कर दिया है। तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में अचानक आए फ्लैश फ्लड ने देखते ही देखते बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को निगल लिया। यह आपदा उस खतरे की गंभीर चेतावनी को दशार्ता है जो हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते पर्यावरण, बढ़ती मानवीय गतिविधियां और अपर्याप्त आपदा तैयारी के कारण बढ़ रहा है। इस त्रासदी का सबसे मार्मिक पक्ष यह है कि बड़ी संख्या में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से लेकर तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के पर्यटकों तक, अनेक परिवार अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी सकुशल होंगे और बहुत जल्द अपने-अपने घरों को लौअ आएंगे। संचार व्यवस्था ठप होने के कारण लापता लोगों का पता लगाना और भी कठिन हो गया है। संकट की इस घड़ी में सीमापार आपदा के लिए पहले से तैयार एक साझा तंत्र की जरूरत महसूस हो रही है। नेपाल की इस आपदा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी अचानक आई बाढ़ है। अधिकारियों ने भूकंप के बाद बाढ़ आने और हिमनद या प्राकृतिक जल अवरोध टूटने की आशंका जताई है। यदि यह आशंका सही साबित होती है, तो यह घटना हिमालयी पारिस्थितिकी में हो रहे बदलावों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, किसी एक कारण को अंतिम रूप से जिम्मेदार ठहराने से पहले वैज्ञानिक जांच आवश्यक है। एक तरफ भूविज्ञानी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लंबे समय से दुनियां के तमाम शक्तिशाली देशों को चेताते चले आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि प्राकृतिक घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के विनाशकारी प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सीमाओं से परे जाकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। फिलहाल तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नेपाल और उसके पड़ोसी देश ऐसी आपदाओं के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं? पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं विकास की आवश्यकता हैं, लेकिन विकास और पर्यावरणीय सुरक्षा के बीच संतुलन न हो तो यही ढांचा आपदा के समय जोखिम बढ़ा सकता है। नेपाल में नौ बैंक शाखाओं के बह जाने और बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों के संपर्क से बाहर होने की जानकारी बताती है कि आपदा का प्रभाव केवल आम आबादी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक ढांचा भी इसकी चपेट में आता है।

भारत के लिए भी यह घटना महज पड़ोसी देश की त्रासदी नहीं है। नेपाल की नदियां भारत में प्रवेश करने के बाद गंडक और अन्य नदी प्रणालियों का हिस्सा बनती हैं। इस बार नेपाल से आया तेज बहाव बिहार तक पहुंचा और वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर दबाव बढ़ा। बराज के सभी 36 गेट खोले गए। राहत की बात यह रही कि नारायणी नदी के विस्तृत बहाव क्षेत्र में पानी फैलने से बिहार में बड़े पैमाने पर बाढ़ का खतरा फिलहाल टल गया। लेकिन इस राहत को स्थायी सुरक्षा समझना भूल होगी। दरअसल, नेपाल और भारत के बीच नदियां सीमाओं को नहीं मानतीं। इसलिए बाढ़, भूस्खलन, ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी आपदाओं से निपटने के लिए दोनों देशों को रियल टाइम सूचना साझा करने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। यदि किसी नदी के ऊपरी हिस्से में अचानक जलस्तर बढ़ता है, तो निचले इलाकों को समय रहते चेतावनी मिलनी चाहिए। चेतावनी और राहत के बीच जितना अधिक समय मिलेगा, उतनी ही अधिक जानें बचाई जा सकती हैं। इस आपदा ने संचार व्यवस्था की कमजोरी को भी उजागर किया है। पहाड़ी इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और बिजली व्यवस्था के ठप होने के बाद प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह बन जाती है कि किसे बचाया जाए और कहां लोग फंसे हैं। इसलिए आपदा प्रबंधन की योजनाओं में वैकल्पिक संचार व्यवस्था, स्थानीय बचाव दल, सामुदायिक प्रशिक्षण और आपातकालीन आश्रय स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने नेपाल के साथ एकजुटता दिखाई है और राहत सामग्री भेजी है। यह मानवीय सहयोग दोनों देशों के संबंधों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। मगर असली परीक्षा आपदा समाप्त होने के बाद शुरू होती है। पुनर्वास, क्षतिग्रस्त ढांचे का पुनर्निर्माण और भविष्य के जोखिम को कम करना कहीं अधिक कठिन और लंबी प्रक्रिया है। नेपाल का जलप्रलय हमें यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि हिमालय केवल प्राकृतिक सौंदर्य का क्षेत्र नहीं, बल्कि अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र भी है। विकास जरूरी है, पर्यटन जरूरी है और ऊर्जा परियोजनाएं भी जरूरी हैं, लेकिन इनके लिए प्रकृति की सीमाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर पुल, सड़क और परियोजना के साथ यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि आपदा की स्थिति में उसका जोखिम कितना है। प्रकृति को दोष देकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

# उपहारों में नहीं, रिश्तों के अनमोल विश्वास में है राखी का मोल

योगेश कुमार गोयल

रिश्तों की पवित्रता और सुरक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन...

रक्षाबंधन पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मयार्दा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्रता तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई-बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में ह्यगुरु महापूर्णिमाह्व, दक्षिण भारत में ह्यनारियल पूर्णिमाह्व तथा नेपाल में इसे ह्यजनेऊ पूर्णिमाह्व के नाम से जाना जाता है।

रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार-बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफजाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी। उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़

भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन-देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

## सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल

**सोना 1,60,300 रुपए तो चांदी 2,41,306 प्रति किलोग्राम पहुंची**

**नई दिल्ली।**

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर जोरदार उछाल देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 637 रुपये चढ़कर 1,60,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 1,668 रुपए महंगी होकर 2,41,306 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी दोनों बहुमूल्य धातुओं में मजबूती दर्ज की गई, जहां सोना 0.71 फीसदी बढ़कर 4,686 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.67 फीसदी चढ़कर 69 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। पिछले सत्र में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट झेलने के बाद, सोने में अब फिर से मजबूती लौटी है। बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श के बयान पर है। इसके साथ ही, अमेरिका में लगातार 65वें महीने 2 फीसदी के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई महंगाई दर और ब्याज दरों को लेकर मिलने वाले संकेत सोने की आगे की चाल तय करेंगे। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव (जैसे होर्मुज से जुड़ी घटना) की स्थिति में निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश विकल्प मानते हैं, जिससे इसकी मांग बढ़ती है और कीमतों को सहारा मिलता है। हालांकि हाल की गिरावट के बावजूद, कई बाजार विश्लेषकों को सोने में आगे और तेजी की उम्मीद है। कुछ एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि इस साल सोने का भाव 5,000 डॉलर प्रति औंस का स्तर पार कर सकता है। पिछले साल सोने में 75 फीसदी से ज्यादा की जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी, जो 1979 के बाद सबसे मजबूत तेजी वाला दौर था। वहीं चांदी की कीमतों में सोने के मुकाबले कहीं अधिक तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मजबूत मांग और करेंसी में बदलाव के कारण चांदी, जो 2023-24 में लगभग 78,600 रुपए प्रति किलोग्राम थी, वह अब बढ़कर 2,41,306 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

## पुष्प ब्रांड को सेबी की हरी झंडी, जल्द आएगा आईपीओ

**इंदौर से शुरू हुई कंपनी मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख शेयरों की ओएफएस लाएगी**

**नई दिल्ली।**

पैकेज्ड खाद्य कंपनी पुष्प ब्रांड (इंडिया) को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। यह आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा, जिसकी जानकारी बाजार नियामक ने बृहस्पतिवार को दी। इंदौर में 1974 में स्थापित, पुष्प ब्रांड ने एक क्षेत्रीय मसाला कारोबार से बढ़कर अब पुष्प और मुनीमजी ब्रांड के तहत काम करने वाली एक व्यापक पैकेड खाद्य कंपनी का रूप ले लिया है। कंपनी शुद्ध एवं मिश्रित मसाले, साबुत मसाले, हींग और अन्य उत्पाद पेश करती है, जिनकी 31 मार्च, 2026 तक 312 श्रेणियां थीं। सेबी को जून में दस्तावेज दाखिल करने के बाद 27 अगस्त को मिली इस मंजूरी के बाद, कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में पुष्प कड़क चाय पेश करने की भी योजना बना रही है। वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक, पुष्प ब्रांड का वितरण नेटवर्क 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 1,016 वितरकों और 3.68 लाख से अधिक खुदरा बिक्री केंद्रों तक फैला हुआ था।

## एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

**मुंबई।** एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में गुरुवार को शुरुआती बढ़त के बाद अब मिला-जुला कारोबार देखने को मिल रहा है। इससे पहले एने विडिया के मजबूत बिक्री अनुमान से निवेशकों का भरोसा बढ़ा था। जापान का`` निक्कई 225 करीब 0.13 फीसदी गिरा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.37 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार भी बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिका में महंगाई से जुड़े एक प्रमुख संकेतक के फेडरल रिजर्व के लक्ष्य से ऊपर बने रहने के बाद इस साल ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका बढ़ी है।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**सेंसेक्स 539, निफ्टी 116 अंक गिरा**

**मुंबई।**

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है।

वहीं पश्चिम एशिया में जारी तनावों से भी बाजार पर दबाव आया जिससे भी उसमें गिरावट आई। आज कारोबार के दौरान धातु , पीएसयू बैंकों और सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 539.35 अंक फिसलकर 76,933.59 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक गिरकर 24,090.85 पर आ गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 में भी गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा निफ्टी सीमेंट , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया और निफ्टी मेटल और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में गिरावट रही जबकि निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी प्राइवेट बैंक में बढ़त रही।

आज अदाणी इंटरप्राइजेस, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, सिप्ला और बीईएल के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई और ये शीर्ष लाभ वाले शेयरों में शामिल रहे, जबकि हिंडाल्को, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक शुरुआती कारोबार में लाल निशान पर खुले, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। ई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 45.17 अंक टूटकर 77,422.70 अंक पर खुला जबकि निफ्टी भी 6.40 अंक फिसलकर 24,202.45 अंक पर खुला वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा; दक्षिण कोरिया, जापान और चीन बढ़त में थे, जबकि हांगकांग गिरावट में। अमेरिकी बाजार बुधवार को निचले स्तर पर बंद हुए थे। वहीं पिछले सत्र में घरेलू बाजार भी गिरे थे, सेंसेक्स 183.15 अंक और निफ्टी 126.80 अंक टूटकर बंद हुए थे।

## सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा लाएगी 3,750 करोड़ का आईपीओ

**स्वतंत्र बिजली उत्पादक कंपनी ने सेबी में दाखिल किए दस्तावेज**

**नई दिल्ली।**

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 3,750 करोड़ रुपए तक जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी इस पूंजी का उपयोग मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और भविष्य के विस्तार के लिए करेगी। यह प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों का एक निर्गम होगा, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई हिस्सा शामिल नहीं है। सेबी में दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, जुटाई गई राशि का एक बड़ा हिस्सा कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों के कुछ मौजूदा कर्जों के पुनर्भुगतान में इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य इस पूंजी जुटाने से अपने बही-खाते को मजबूत करना और नवीकरणीय ऊर्जा खंड में अपने विस्तार को गति देना है। सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा के पास 31 मार्च, 2026 तक 3.60 गीगावाट की परिचालन क्षमता है, जबकि 4.04 गीगावाट की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जो कंपनी की विकास क्षमता को दर्शाती हैं।

## रुपया गिरावट पर बंद

**मुंबई।**

रुपया गुरुवार को 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.51 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 95.31 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती नुकसान से उबरते हुए गुरुवार को सुबह के कारोबार में चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर आ गया। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 95.52 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट है। हालांकि, घरेलू मुद्रा ने जल्द ही नुकसान की भरपाई की और चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा। रुपया मंगलवार को 26 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.44 पर बंद हुआ था।

# डीएचएल एक्सप्रेस के लिए भारत वैश्विक वृद्धि का इंजन

**जीडीपी से डेढ़ गुना तेज रफ्तार का लक्ष्य**

**नई दिल्ली।**

लॉजिस्टिक दिग्गज डीएचएल एक्सप्रेस भारत को अपने वैश्विक कारोबार के लिए वृद्धि का प्रमुख केंद्र मानती है। कंपनी ने घोषणा की है कि भारत में उसका कामकाज वैश्विक स्तर पर डीएचएल के अन्य परिचालनों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रहा है। रुपये में उतार-चढ़ाव के बावजूद, डीएचएल अगले दशक में देश में अपने 1 अरब यूरो के निवेश को बनाए रखने की योजना बना रही है, जो भारत के आर्थिक भविष्य में उसके मजबूत विश्वास को दर्शाता है। डीएचएल एक्सप्रेस (दक्षिण एशिया) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि कंपनी का हमेशा से यह लक्ष्य रहा है कि वह भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में लगभग 1.5 गुना तेजी से बढ़े। उन्होंने कहा कि पिछले 5 से 10 वर्षों में कंपनी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) आम तौर पर इस जीडीपी बेंचमार्क से 1-2 फीसदी अधिक रही है। यह प्रदर्शन डीएचएल समूह के हालिया नतीजों में भी झलकता है, जहां जून 2026 को समाप्त तिमाही में समूह का परिचालन मुनाफा 30 फीसदी बढ़कर 1.9 अरब यूरो रहा। रुपये के मुकाबले डॉलर और यूरो में लगातार उतार-चढ़ाव कंपनी के लिए एक चुनौती रहा है। पिछले एक साल में डॉलर के मुकाबले रुपये में 8.2 फीसदी और हालिया पश्चिम एशिया संकट के बाद 4.65 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए, डीएचएल ने 1 अगस्त से करेंसी इफेक्ट्स इंडेक्स शुरू किया है। सुब्रमण्यन ने भारत के भविष्य पर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर देश की चर्चा बहुत सकारात्मक रूप से हो रही है। उन्होंने इंजीनियरिंग, विनिर्माण, वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में हो रहे निवेश को रेखांकित किया, जो डीएचएल के लॉजिस्टिक कारोबार के लिए महत्वपूर्ण विकास के अवसर पैदा करते हैं।

# कच्चे तेल में नरमी, होर्मुज से राहत, रूस-यूक्रेन तनाव ने रोकी बड़ी गिरावट

**ईरान-ओमान समझौता बना कीमतों पर दबाव का कारण**

**नई दिल्ली।**

कच्चे तेल की कीमतों में गुरुवार को हल्की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होने के संकेत हैं। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते संघर्ष ने बड़ी गिरावट को सीमित कर दिया। डब्ल्यूआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के नीचे और ब्रेंट क्रूड 86.60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान और ओमान के बीच प्रगति से तेल बाजार में उम्मीद बंधी है। दोनों देशों ने जहाजों की आवाजाही पर राजस्व-साझाकरण समझौते की पुष्टि की है, जिससे इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से तेल आपूर्ति बेहतर होने की संभावना है। हालांकि ईरान ने तुरंत पूरी तरह से खुलने से इनकार किया, बाजार इसे तनाव कम होने का अहम संकेत मान रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान ने भी इन उम्मीदों को बल दिया, जिसमें उन्होंने मंगलवार को 1 करोड़ बैरल तेल के होर्मुज से निकलने की बात कही। सऊदी अरब भी फारस की खाड़ी के भीतर से तेल लोडिंग बढ़ाने की संभावना तलाश रहा है, जो बदलते हालात के अनुरूप है। इसके विपरीत रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ता तनाव कच्चे तेल की कीमतों को ज्यादा गिरने से रोक रहा है।

यूक्रेन द्वारा रूसी रिफाइनरियों और बंदरगाहों पर लगातार हमलों से रूस के ईंधन उत्पादन और निर्यात पर गंभीर असर पड़ने का खतरा है। यदि रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में बड़ी रुकावट आती है, तो वैश्विक बाजार में आपूर्ति फिर से घट सकती है।

इसी भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण कीमतें अस्थिर रहीं, जहाँ शुरुआत में रूस-यूक्रेन संघर्ष की खबरों ने कीमतें बढ़ाईं, लेकिन होर्मुज की खबर से तेजी थम गई।

## जुनिपर ग्रीन एनर्जी और एसजेवीएन के बीच 50 मेगावॉट एफडीआरई समझौता

**नई दिल्ली।**

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने एसजेवीएन लिमिटेड के साथ 50 मेगावॉट की स्थिर एवं प्रेषणीय नवीकरणीय ऊर्जा (एफडीआरई) परियोजना के लिए 25 साल का बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। इस करार से देश में नवीकरणीय ऊर्जा की विश्वसनीय आपूर्ति को नई गति मिलेगी। यह समझौता 4.25 रुपए प्रति यूनिट की दर से हुआ है और 25 वर्षों तक प्रभावी रहेगा। इस परियोजना में सौर ऊर्जा को बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीइएसएस) के साथ एकीकृत किया जाएगा, ताकि पीक आवर्स में मासिक आधार पर 90 प्रतिशत उपलब्धता के साथ स्थिर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के एक अे धिकारी ने बताया कि यह पीपीए कंपनी की एफडीआरई परियोजनाओं का बड़ा खंड बनाने की रणनीति का एक अहम हिस्सा है और एसजेवीएन के साथ साझेदारी को और मजबूत करता है। इस नए समझौते के साथ, जुनिपर ग्रीन एनर्जी की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब बढ़कर 11,216 मेगावॉट हो गई है, जो इस क्षेत्र में उसकी बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

# फार्मा कंपनियों पर अनोखा संकट, कमाई बढ़ी पर मुनाफा घटा!

**अमेरिका में रेव्लिमिड की कम बिक्री बनी वजह, डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसे दिग्गजों पर ज़्यादा असर**

**मुंबई।**

आमतौर पर किसी कंपनी की कमाई घटने के पीछे कमजोर बिक्री या बढ़ता खर्च होता है, लेकिन भारतीय दवा कंपनियों के साथ इस समय एक अजीब स्थिति बनी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उनकी कुल कमाई बढ़ी, कामकाजी मुनाफा भी सुधरा, लेकिन शुद्ध मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है। इस अप्रत्याशित गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका में कैंसर की एक महत्वपूर्ण दवा, जेनेरिक रेव्लिमिड (लेनालिडोमाइड) की कम बिक्री और कीमतों में आई भारी गिरावट है। डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसी बड़ी कंपनियाँ इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसके दायरे में आने वाली दवा कंपनियों की कुल कमाई में 14.8 फीसदी की वृद्धि देखी गई और उनका कामकाजी मुनाफा भी 6.9 फीसदी बढ़ा। इसके बावजूद, इन कंपनियों का मुनाफा 4.1 फीसदी घट गया, जिसकी एक बड़ी वजह अमेरिका में जेनेरिक रेव्लिमिड की कम बिक्री और कीमतों में आई तेज गिरावट रही।

रेव्लिमिड, जिसका मूल नाम लेनालिडोमाइड है, कैंसर, खासकर मल्टीपल मायलोमा के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एक महत्वपूर्ण दवा है।

एक समय में भारतीय फार्मा कंपनियों के लिए कमाई का बड़ा जरिया बनी यह दवा अब उनके मुनाफे पर भारी पड़ रही है। पेटेंट विवादों के बाद हुए समझौतों के तहत, भारतीय जेनेरिक कंपनियों को मार्च 2022 के बाद अमेरिका में सीमित मात्रा में जेनेरिक लेनालिडोमाइड बेचने की अनुमति मिली थी। डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसी कंपनियों के लिए जनवरी 2026 तक बिक्री की मात्रा पर सीमाएं तय थीं।

बाजार में सीमित प्रतिस्पर्धा के कारण रेव्लिमिड की कीमतें ऊंची बनी रहीं, जिससे भारतीय कंपनियों ने इस दवा से शानदार कमाई की। लेकिन जनवरी 2026 के करीब आते ही तस्वीर बदल गई। जैसे-जैसे बिक्री की मात्रा पर लगी सीमाएं खत्म हुईं और अधिक जेनेरिक कंपनियां बाजार में आईं, प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ी। ज्यादा आपूर्ति और प्रतिस्पर्धी माहौल के चलते रेव्लिमिड के जेनेरिक वर्जन की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इसका सीधा असर कंपनियों के मुनाफे पर पड़ा। डॉ. रेड्डीज के मार्च तिमाही के नतीजों में भी लेनालिडोमाइड की कीमतों में आई गिरावट का साफ असर दिखा था।

# 1 सितंबर से महंगी होंगी टाटा और हुंडई की गाड़ियां

**इनपुट लागत में बढ़ोतरी बनी वजह, पेट्रोल-डीजल से लेकर ईवी तक सभी सेगमेंट प्रभावित**

**नई दिल्ली।**

सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही आम आदमी से जुड़े कई नियमों में बदलाव हुए हैं, जिनमें से एक बड़ा झटका कार प्रेमियों को लगा है। टाटा मोटर्स और हुंडई ने अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है, जिसका सीधा असर नई गाड़ी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के बजट पर पड़ेगा। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने 1 सितंबर से अपने पूरे कार और एसयूवी पोर्टफोलियो की कीमतों में 25,000 रुपए तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि पेट्रोल, डीजल (आईसीई) और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स सभी सेगमेंट पर लागू होगी। कंपनी ने कीमतों में इस बढ़ोतरी के पीछे लगातार बनी हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच इनपुट और कमोडिटी की बढ़ती लागत का हवाला दिया है। यह चालू तिमाही में टाटा की दूसरी मूल्य वृद्धि है, इससे पहले जून में भी दाम बढ़ाए गए थे। वहीं, हुंडई मोटर इंडिया ने भी 19 अगस्त को घोषणा की थी कि वह सितंबर से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 1 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। हुंडई ने भी इनपुट और कमोडिटी की बढ़ती लागत के साथ-साथ जियोपॉलिटिकल और मैक्रो-इकोनॉमिक अनिश्चितताओं को इसका कारण बताया है। इससे पहले, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भी अगस्त में अपनी गाड़ियों की कीमतों में 30,000 रुपए तक की बढ़ोतरी कर चुकी है। लागत के बढ़ते दबाव के कारण ऑटोमोबाइल सेक्टर में कीमतों में वृद्धि का यह सिलसिला जारी है।

# आईपीओ बाजार में साल की पहली छमाही की सुस्ती के बाद तेज उछाल

**अगस्त 2026 में 21 आईपीओ खुलने की उम्मीद, जबकि जुलाई में यह संख्या 12 थी**

**नई दिल्ली।**

भारतीय शेयर बाजार में साल की पहली छमाही की सुस्ती अब खत्म होती दिख रही है। प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) बाजार में एक बार फिर तेजी का माहौल है। अगस्त महीने में कंपनियों के सार्वजनिक निर्गमों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और आने वाले समय में एनएसई, फोनपे, जियो प्लेटफॉर्म्स, ज़ेप्टो और ओयो जैसी बड़ी कंपनियों के आईपीओ आने की उम्मीद है, जिससे निवेशकों में उत्साह है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि वैश्विक और भू-राजनीतिक मोर्चे पर कोई बड़ा झटका नहीं लगता है, तो 2026 की दूसरी छमाही में भी आईपीओ बाजार की यह रफ्तार बनी रह सकती है। पूंजी बाजार में संबें धित एक डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में 21 आईपीओ खुलने की उम्मीद है, जबकि जुलाई में यह संख्या 12 थी। इसके विपरीत साल के पहले छह महीनों में आईपीओ लाने की गति काफी धीमी रही थी, और मई में तो एक भी आईपीओ जारी नहीं हुआ था। एक ब्रोकर कंपनी के मुतो बिक पहली छमाही में बाजार की गिरावट, शुल्क को लेकर अनिश्चितता और वैश्विक परिस्थितियों ने कंपनियों की आईपीओ लाने की क्षमता और निवेशकों की भावना (सेंटिमेंट) दोनों को प्रभावित किया। अमेरिकी शुल्क से जुड़ी चिंताएं, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और कंपनियों के वित्तीय नतीजों को लेकर अनिश्चितता ने उस दौरान बाजार पर दबाव बनाया था। आईपीओ के लिए कंपनियों की एक लंबी कतार लगी हुई है। पूंजी बाजार में संबें धित एक डेटाबेस के आंकड़ों के मुताबिक, कुल 239 कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी में हैं।

इनमें से 164 कंपनियों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ की मंजूरी मिल चुकी है, जिनके जरिए करीब 2.65 लाख करोड़ रुपये जुटाए जाने का अनुमान है। वहीं, 75 कंपनियों ने सेबी के पास मसौदा पत्र (ड्राफ्ट पेपर) दाखिल किए हैं और मंजूरी का इंतजार कर रही हैं, जिनके जरिए लगभग 2.01 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना है।

# मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ने इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स शुरू किया

**अब कंपनियां भविष्य की बिजली लागत का करेंगी बेहतर प्रबंधन**

**नई दिल्ली**

भारत के कमोडिटी बाजार में अब एक नया अध्याय जुड़ गया है। सोना, चांदी और कच्चे तेल की तर्ज पर अब देश में बिजली की कीमतों पर भी वायदा कारोबार संभव हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) ने इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स की शुरुआत की है, जिससे बिजली उत्पादक और उपभोक्ता कंपनियां भविष्य की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिमों का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगी। यह पहल बिजली को सिर्फ एक उपभोग्य वस्तु नहीं, बल्कि एक ट्रेडबल एसेट बनाती है। बिजली अन्य कमोडिटी से काफी अलग है क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर आसानी से स्टोर नहीं किया जा सकता। जितनी बिजली बनती है, उसका लगभग तुरंत उपयोग होना जरूरी है। यही कारण है कि मांग और आपूर्ति में मामूली अंतर भी कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव ला सकता है। मौसम, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा का उत्पादन, कोयले और गैस की उपलब्धता, बिजली प्लांट का बंद होना और ट्रांसमिशन से जुड़ी दिक्कतें जैसे कई कारक बिजली की कीमतों पर सीधा असर डालते हैं। भारत में अधिकांश बिजली (करीब 85-88 फीसदी) लंबे समय के खरीद समझौतों के तहत बेची जाती है, जबकि शेष 12-15 फीसदी बिजली शॉर्ट-टर्म मार्केट में पावर एक्सचेंजों पर ट्रेड होती है। यहीं मांग और आपूर्ति के आधार पर कीमतें तय होती हैं, जो वायदा बाजार के लिए संदर्भ बिंदु बनती हैं। इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स में बिजली की कोई वास्तविक डिलीवरी नहीं होती; इनका निपटान नकद में किया जाता है। सौदों का निपटान भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज (आईईएक्स) के डे-अहेड मार्केट की औसत मासिक कीमत के आधार पर होता है। एमसीएक्स पर एक ट्रेडिंग यूनिट 50 मेगावाट घंटा है और मौजूदा महीने के साथ अगले तीन महीनों तक के सौदे उपलब्ध होते हैं। इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स का सबसे बड़ा फायदा उन उद्योगों और कंपनियों को मिलेगा जिनकी परिचालन लागत में बिजली का बड़ा हिस्सा होता है, जैसे बड़ी फैक्ट्रियां, बिजली उत्पादक और वितरक कंपनियां। वे भविष्य में बिजली की कीमतों में संभावित वृद्धि या गिरावट के जोखिम को कम करने के लिए इन सौदों का उपयोग कर सकते हैं।

# 70वीं ब्लॉक स्तरीय 14 वर्षीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन, पीएम श्री खुडाला ने जीता खिताब

राजस्थान दर्शन

**बाली।पाली** श्रीसेला। बाली ब्लॉक के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय श्रीसेला के खेल मैदान में गुरुवार को 70वीं ब्लॉक स्तरीय 14 वर्षीय छात्र क्रिकेट खेलकूद प्रतियोगिता 2026-27 का समापन हुआ। प्रतियोगिता में बाली ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों की 9 टीमों के कुल 124 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में पीएम श्री महात्मा गांधी स्कूल खुडाला और इमानुएल स्कूल फालना की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। टॉस जीतकर पीएम श्री महात्मा गांधी स्कूल खुडाला की टीम ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इमानुएल स्कूल फालना की टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 41 रन बनाए। 42 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पीएम श्री खुडाला की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7वें ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाकर लक्ष्य हासिल कर लिया और प्रतियोगिता की विजेता बनी।

समापन समारोह की अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वितीय बाली किशोर कुमार रावल ने की। मुख्य अतिथि महिपाल सिंह चौहान रहे। प्रतियोगिता के दौरान भामाशाहों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। सहयोग करने वाले सभी भामाशाहों का विद्यालय परिवार की ओर से माला एवं साफा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी तथा खिलाड़ियों को मेडल और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में बेस्ट फील्डर का खिताब श्रीसेला टीम के खिलाड़ी प्रेमनाथ, बेस्ट प्लेयर पीएम श्री खुडाला के हितेश परिहार, बेस्ट बॉलर इमानुएल स्कूल फालना के नक्ष तथा बेस्ट बैट्समैन पीएम श्री खुडाला के प्रियांशु को दिया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में किशोर कुमार रावल ने कहा कि भामाशाहों के सहयोग से ही इतने बड़े आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सका। सभी के सामूहिक प्रयास से कोई भी कार्य कठिन नहीं होता। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि खेल में हार-जीत होती रहती है, लेकिन प्रतियोगिता में भाग लेना और अनुशासन के साथ खेलना सबसे महत्वपूर्ण है। खेलों से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है।

प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहे राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय श्रीसेला के प्रधानाध्यापक एवं प्रतियोगिता संयोजक कपूराराम लोंगेशा तथा ब्लॉक समन्वयक साक्षरता बाली मूलचंद गर्ग ने सभी अतिथियों, भामाशाहों, खिलाड़ियों, शिक्षकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता के समापन की घोषणा मुख्य अतिथि श्याम सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की अध्यापिका प्रेमलता चौधरी ने किया।

## रानी नगरपालिका चुनाव में पहले दिन एक नामांकन दाखिल

राजस्थान दर्शन

**रानी।** नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर रानी नगरपालिका में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। नामांकन के पहले दिन गुरुवार को नगरपालिका के एक वार्ड से एक प्रत्याशी ने नामांकन पत्र दाखिल किया।एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी शिवा जोशी तथा तहसीलदार एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी अंबा लाल बोसिया ने बताया कि रानी नगरपालिका में कुल 20 वार्ड हैं। चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशियों और समर्थकों की आवाजाही शुरू हो गई है। आने वाले दिनों में नामांकन दाखिल करने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है।अधिकारियों ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर निर्वाचन विभाग की ओर से सभी आवश्यक व्यवस्था की गई हैं। नामांकन प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी।

## खेत में दवा का छिड़काव करते समय सर्पदंश, किसान की मौत

राजस्थान दर्शन

**रानी।** समीपवर्ती भगवानपुरा गांव में खेत में दवा का छिड़काव करते समय जहरीले सर्प के काटने से एक किसान की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन किसान को उपचार के लिए रानी के स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।ए एस आई ब्रजकिशोर ने बताया की भगवानपुरा निवासी नेनाराम (45) पुत्र कपूराराम खेत में दवा का छिड़काव कर रहा था। इसी दौरान उसे सर्प ने काट लिया। परिजन तत्काल उसे रानी स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकीय जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलने पर एएसआई ब्रजकिशोर मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई की। चिकित्सक डॉ. देवेंद्र चौधरी ने शव का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले में अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

## गर्भवती महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य की जांच, टीकाकरण किया

राजस्थान दर्शन

**रानी** समीपवर्ती ग्राम कीरवा स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र परिसर में गुरुवार को गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच के साथ वजन किया गया तथा बच्चों का टीकाकरण, वजन, विटामिन-ए एवं पोलियो की खुराक पिलाई गई।एएनएम कंचन सालवी ने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। महिलाओं को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने, पौष्टिक आहार लेने तथा बच्चों का समय पर टीकाकरण करवाने की जानकारी दी गई।कार्यक्रम में एएनएम कंचन सालवी, आशा सहयोगिनी कंचन वैष्णव, स्वास्थ्य मित्र कार्यकर्ता चौथाराम मीणा सहित कई महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

## भारत को जानो परीक्षा 31 अगस्त को

राजस्थान दर्शन

**फालना।पाली** भारत विकास परिषद द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली भारत को जानो सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन आगामी 31 अगस्त को बाली फालना शाखा के लगभग 16 विद्यालय में आयोजित होगी, भारत विकास परिषद फालना बाली के सचिव पूनम सिंह राजपुरोहित के अनुसार लगभग 1100 छात्र-छात्राएं कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्गों से ओ. एम. आर.से होने वाली इस परीक्षा में सम्मिलित होंगे शाखा अध्यक्ष श्री गोपाल पारीक ने बताया 1100 परीक्षार्थियों हेतु परीक्षा केंद्र एवं परीक्षको की नियुक्ति कर सम्पूर्ण व्यवस्थाएं कर दी गई है ताकि व्यवस्थित रूप से उक्त परीक्षा का आयोजन हो, उन्होंने सभी संस्था प्रधानों से आग्रह किया है कि वे इस परीक्षा के नियमों की जानकारी विद्यालय प्रभारी शिक्षक को अवश्य देवे ताकि सुचारू एवं समयबद्ध परीक्षा हो भारत को जानो प्रकल्प प्रभारी अशोक कुमार मालवीय सह प्रभारी साकेत एस. देव एवं परिषद के मीडिया प्रभारी अमित मेहता के अनुसार 45 मिनट के पेपर की इस परीक्षा प्रारंभिक तैयारी हेतु परिषद के सदस्यगण कार्यशील हैं और 20 वरिष्ठ सदस्य परीक्षक की जिम्मेदारी निभाएंगे परीक्षा का समय प्रातः 9.30 से 10.15 तक का रखा गया है, सभी विद्यालयों को कोड न.और परीक्षार्थियों को रोल न. आवंटित कर दिए गए हैं विद्यालयवार जो भी छात्र प्रथम द्वितीय स्थान पर रहेंगे उन्हें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से प्रांत स्तर पर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा

## नगर निगम एवं नगर पालिकाओं में नामांकन प्रक्रिया शुरू

**पाली** नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 के तहत गुरुवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। नामांकन प्रक्रिया के प्रथम दिन जिले में 27 अभ्यर्थियों द्वारा 28 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। नगर निगम पाली, नगर पालिका खुडाला-फालना, तखतगढ़ एवं बाली में प्रथम दिन कोई नामांकन पत्र दाखिल नहीं हुआ। वहीं रानीखुर्द एवं मारवाड़ जंक्शन नगर पालिका में एक-एक नामांकन पत्र दाखिल किया गया। इसी प्रकार सोजत रोड नगर पालिका में 2, सोजत सिटी में 3 तथा सादड़ी नगर पालिका में 5 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। सुमेरपुर नगर पालिका में 15 अभ्यर्थियों द्वारा कुल 16 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। इस प्रकार प्रथम दिन जिले के नगरीय निकायों में कुल 27 अभ्यर्थियों द्वारा 28 नामांकन पत्र दाखिल किए गए।

## नगर निगम चुनाव पहले दिन एक भी नामांकन नहीं, 300 से अधिक आवेदन पत्र वितरित

### आवेदन लेने के लिए उमड़ी दावेदारों की भीड़, शुक्रवार को अवकाश के चलते शनिवार से फिर शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया

राजस्थान दर्शन

**पाली** । नगर निगम आम चुनाव 2026 को लेकर गुरुवार से शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया के प्रथम दिन नगर निगम कार्यालय में एक भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं हुआ। हालांकि पार्षद पद के लिए चुनाव लड़ने के इच्छुक दावेदारों में खासा उत्साह देखने को मिला। पहले दिन 300 से अधिक आवेदन पत्र वितरित किए गए। आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए सुबह से ही नगर निगम कार्यालय में दावेदारों की लंबी कतारें लगी रहीं।

पहले दिन नहीं हुआ कोई नामांकन -रिटर्निंग अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने के प्रथम दिन किसी भी अभ्यर्थी ने अपना आवेदन जमा नहीं करवाया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को राजकीय अवकाश होने के कारण नामांकन प्रक्रिया स्थगित रहेगी। अब शनिवार से पुनः नाम निर्देशन पत्र स्वीकार किए जाएंगे। अभ्यर्थियों की सुविधा एवं प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए निर्वाचन से जुड़ी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

300 से अधिक आवेदन पत्र वितरित - सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि नगर निगम चुनाव के लिए आवेदन वितरण काउंटर पर गुरुवार सुबह से ही दावेदार आवेदन पत्र लेने के लिए पहुंचने लगे थे। दोपहर तक 300 से अधिक आवेदन पत्र वितरित किए जा चुके थे। आवेदन प्राप्त करने के लिए काउंटर पर दावेदारों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। निर्वाचन कार्मिकों ने अभ्यर्थियों को आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी भी दी।

अवकाश के दिन भी हेल्प डेस्क से मिलेंगे आवेदन - रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को राजकीय अवकाश होने के बावजूद पार्षद पद के संभावित उम्मीदवारों की सुविधा को देखते हुए नगर निगम में बनाई गई हेल्प डेस्क पर आवेदन पत्र उपलब्ध करवाए जाएंगे। अभ्यर्थी प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक हेल्प डेस्क से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकेंगे। हालांकि नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शनिवार से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगी। निर्वाचन व्यवस्थाओं पर रही नजर -नामांकन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों एवं कार्मिकों ने व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रखी। आवेदन लेने पहुंचे दावेदारों को प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ ही आवेदन पत्र भरने एवं आवश्यक दस्तावेजों को लेकर मार्गदर्शन किया गया। अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित किया कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। ये रहे मौजूद -इस मौके पर विशेषाधिकारी कार्यालय निर्वाचन अधिकारी चौधरी बिरजू गोपाल, पाली तहसीलदार सुनील कुमार, उप पंजीयक प्रथम शिवजीराम बावरी, तहसीलदार निर्वाचन नेहा चौधरी, सुरेश कुमार व्यास, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, महेन्द्र बैरवा, जयपाल सिंह चौहान, शंकर सिंह राजपुरोहित, कुलदीप जोशी, हिमांशु चतुर्वेदी, ताराचंद सेजू सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

## पाली नगर निगम चुनाव 2026 की तैयारियों को लेकर भाजपा ने तेज की चुनावी रणनीति

राजस्थान दर्शन

**पाली।** भारतीय जनता पार्टी द्वारा नगर निकाय चुनाव 2026 की तैयारियों को लेकर संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में आज भाजपा जिला कार्यालय में पाली नगर निगम चुनाव की तैयारियों एवं चुनावी रणनीति को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा राजस्थान की सभी 10 नगर निगमों के लिए प्रभारी एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। पाली नगर निगम के प्रभारी महाराष्ट्र घुमंतू समाज के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक नरेन्द्र पंवार तथा सह-प्रभारी शिरडी विधायक विवेक कोल्हे अपने साथ महाराष्ट्र के कल्याण-अंबरनाथ क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के दल के साथ पाली पहुंचे। जिलाध्यक्ष सुनील भण्डारी ने बताया कि राष्ट्रीय संगठन, प्रदेश संगठन एवं जिला संगठन द्वारा नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी एवं नगर निकाय प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। सभी प्रभारी अपने-अपने दायित्व वाले क्षेत्रों में पूरी सक्रियता के साथ चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक समन्वय एवं रणनीतिक कार्यों में जुटे हुए हैं। मीडिया संयोजक प्रवीण गोलेच्छा ने बताया कि जिला महामंत्री नारायण कुमावत ने बैठक में पाली नगर निगम के प्रभारी एवं सह-प्रभारी सहित महाराष्ट्र से आए 16 कार्यकर्ताओं को पाली नगर परिषद के वर्ष 2019 के चुनाव से संबंधित आवश्यक जानकारी दी तथा आगामी चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में सोमनाथ, शिवाजी एवं प्रताप मंडल की चुनाव व्यवस्था, संगठनात्मक गतिविधियों एवं चुनावी रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा कर जिम्मेदारियां तय की गईं। महाराष्ट्र से आए सभी कार्यकर्ताओं को संबंधित मंडल पदाधिकारियों के साथ समन्वय कर चुनावी कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। इधर, भाजपा जिला कार्यालय में आज भी पार्षद पद की उम्मीदवारी के इच्छुक कार्यकर्ताओं एवं दावेदारों का आवागमन जारी रहा। टिकट चयन को लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व स्तर पर भी आवश्यक बैठकें एवं विचार-विमर्श चलता रहा। नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं सक्रियता का माहौल बना हुआ है।

## राष्ट्रीय खेल दिवस पर NSS द्वारा युवा कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित

राजस्थान दर्शन

**पाली।** राजकीय बांगड़ महाविद्यालय, पाली में राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (हृस्स्) के तत्वावधान में गुरुवार को युवा कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्राचार्या डॉ. विनिता कोका के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं हृस्स् स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना। प्रधानमंत्री ने युवाओं को खेलों से जुड़ने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को खेलों के महत्व, शारीरिक सक्रियता, अनुशासन, स्वस्थ जीवनशैली एवं खेल भावना के प्रति जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नियमित खेल एवं व्यायाम से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता, आत्मविश्वास एवं टीम भावना का भी विकास होता है। कार्यक्रम का आयोजन हृस्स् कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपिका, श्री गोमा राम, सुश्री मंजू देवासी एवं श्री करण सिंह राठौड़ के मार्गदर्शन एवं सहयोग से किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं हृस्स् स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई।

## मुंडारा में नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

राजस्थान दर्शन

**बाली।मुंडारा/पाली** मुंडारा। नारकोटिक्स टास्क फोर्स,पाली चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सूरजभानसिंह राणावत के नेतृत्व में शेठ चेनमल चिमनाजी फागणीया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मुंडारा में नशा मुक्ति एवं रोकथाम को लेकर एक प्रेरणादायी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराकर उन्हें नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना रहा। इस दौरान टास्क फोर्स प्रभारी उप निरीक्षक सूरजभानसिंह राणावत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को बर्बाद करता है,बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी अंधकार में धकेल देता है। युवाओं को चाहिए कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों व समाज के अन्य युवाओं को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर उन्होंने सभी विद्यार्थियों को नशा मुक्त जीवन जीने की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में पुलिस चौकी लाटाडा प्रभारी एएसआई महेंद्रसिंह एवं पूर्व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बाली हीराराम रावलिया ने भी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सकाराम मिरगेश्वर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों से नशे जैसी सामाजिक बुराई से सदैव दूर रहने का संकल्प लेने को कहा। कार्यक्रम में मुकेशकुमार त्रिवेदी,सुरेशसिंह राजपुरोहित,बाबूलाल चौधरी,राजेश बावल,नरसिंह जीनगर, प्रमिला गोस्वामी,मिनाक्षी परिहार,प्रकाशचंद्र भादरु,मांगीलाल सुथार सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर नारकोटिक्स टास्क फोर्स पाली से मनोजकुमार, दिनेशकुमार ढाका, मूलाराम गोदारा,शंकरसिंह राजपुरोहित,हनवंतसिंह राजपुरोहित,गिरधारी मेवाड़ा सहित विद्यालय स्टाफ,ग्रामीण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# गुरू द्वय जन्मजयंती धूमधाम से मनाई गुरुओं का किया गुणगान, देश भर से पहुंचे भक्तगण गौतम प्रसादी का हुआ आयोजन

राजस्थान दर्शन

**पाली** श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, रुई कटला, पाली के द्वारा गुरुद्वय के जन्म जयंती पर आयोजित आठ दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिवस को संघ के सानिध्य मे अणुव्रत नगर के विशाल पंडाल में विराजित मरुधरा भूषण पूज्य प्रवर्तक सुकनमुनि जी म सा, उप प्रवर्तक अमृतमुनि जी म सा, युवा प्रणेता महेश मुनि जी म सा, अखिलेश मुनि जी म सा, डॉक्टर वरुण मुनि जी म सा व महासती उमरावकंवर जी डॉ प्रीतिसुधा जी व संघ के सानिध्य में आयोजित किया गया । इस अवसर पर सबसे पहले दरबार सजाया गया और ध्वज फहराया गया, संघ की ओर से सभी लाभार्थी परिवारों का बहुमान किया गया, गुरुदेव मिश्रीमल जी महाराज की 136 वी जयंती धूमधाम से मनाई, रातडिया मुता परिवार का स्वागत ललवानी परिवार पदमचंद ललवानी परिवार की ओर से किया गया, इस अवसर पर तमिलनाडु से आए मरुधर केसरी जैन युवा संघ के मधुकर जी का स्वागत किया, जिन्होंने गुरुदेव के लिए देशभर की गौशाला में 6:30 ला ख रुपए दान किया जिनका भी संघ के मंत्री पर प्रकाश कटारिया, गिरीश काकरिया, महेन्द्र जैन केवल चंद जी धोका गौतम कवाड़, सज्जन राज गुलेच्छा होशियार चंद मेहता सभी सदस्यों ने बहुमान किया, इस अवसर पर डॉ वरुण मुनी ने गुरु की महिमा बताइ उनके आशीर्वाद के कारण पूरे देश में उनके भक्त फैले हुए हैं और आज जन्म जयंती मनाने पहुंचे हैं हम सभी गुरुदेव के चरणों में साता दो सुख दो, गुरु को दुख में याद करते हो तो सुख में भी याद करना चाहिए, जब जिंदगी में कुछ नहीं तब बाबा का मांगलिक लिया जिससे अब काम की फुर्सत नहीं, एकता की राह पर चलो बिखराव की बात मत करो बाबा मरुधर केसरी का कहना था बाबा रूपचंद जी अपने जीवन में उनका आशीर्वाद है यह आपको केला समझते हैं कि नहीं संगठन,एकता, जीवदया के क्षेत्र पर चले, जिनकी आस्था बिखरी हुई होती है जीवन बिखर जाता है, एक आस्था एक गुरु रखें, इस अवसर पर साध्वी प्रीति सुधा ने कहा कि मेरे जीवन के निर्माता गुरुदेव मिश्रीमल जी के चरणों में कोटि-कोटि वंदन देश में भटके श्रावक जन्म जयंती मनाने पहुंचे हैं, सब गुरुदेव की आशीर्वाद, आंखों मैं अगर उड़ान है तो आसमान दूर नहीं शिखर में न्याय से पाया मरुधर केसरी तुमसे दूर नहीं जरा जोर से बोलो जय करें तुम सभी बोलो जयकारा तुम दोनों हाथ उठा कर बोलो जय गुरु मिश्री का जयकारा, यहां फिल्म निर्माता कैसी बोकाडिया बैठे हैं जिनकी फिल्म के शुरू होने से पहले गुरुदेव मिश्रीमल जी का फोटो आता है, जैतारण पावन धाम के अध्यक्ष कैसी बोकाडिया ने कहा कि आज में जो कुछ भी हूं गुरुदेव के पीछे हूं, पाली सघ ने सुंदर व्यवस्था की उनको साधुवाद केवल चंद्र जी धोका, पदमचंद ललवानी गुरुदेव के भक्त ऐसे हैं पारसमल जी धनपत जी चोपड़ा जो चौका चलाते हैं सभी लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था करते हैं सुंदर व्यवस्था है पाली की मैं भी एक संस्कार सीरियल बना रहा हूं जिससे मैं धर्म का ज्ञान मिलेगा वहीं अंतिम भगवान महावीर स्वामी के जीवन पर मेरा पुत्र राजेश बोकाडिया बनाएगा, उसके बाद में संन्यास ले लूंगा और गुरु चरण में रहूंगा, बाद में गुरुदेव सुकन मुनि में भी सभी को आशीर्वाद दिया, इससे पूर्व सुबह लाभार्थी लोगों को वर घोड़े के रूप में पंडाल में लाया गया वही 41 उपवास पूरे करने वाले राजेंद्र बाठीया का गुरुदेव ने आशीर्वाद दिया, उनका संघ की ओर से बहुमान किया गया, पूज्य गुरुदेव मिश्रीमल जी व रुपमुनी जी महाराज के सात दिवसीय आयोजन में श्री मरुधर केसरी मित्र मंडल के अध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, मंत्री सज्जन राज गुलेच्छा व मण्डल के सभी सदस्यों का पूरा सहयोग रहा कार्यक्रम के पश्चात गौतम प्रसादी का भी आयोजन हुआ जिसके लाभार्थी श्रीमती बादल कर धर्मपत्नी भी कमचंद जी, नवरत्न मल कमलेश कुमार, विशाल, प्रियंक पगारिया परिवार घर वाला जाव पाली थे ।

**रक्षाबन्धन एक हिन्दू त्यौहार है जो प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। श्रावण (सावन) में मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी (सावनी) या सलूनो भी कहते हैं। रक्षाबन्धन में राखी या रक्षासूत्र का सबसे अधिक महत्व है। राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे, तथा सोने या चाँदी जैसी मँहगी वस्तु तक की हो सकती है। राखी सामान्यतः बहनें भाई को ही बाँधती हैं परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बन्धियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) भी बाँधी जाती है। कभी कभी सार्वजनिक रूप से किसी नेता या प्रतिष्ठित व्यक्ति को भी राखी बाँधी जाती है।**

# रक्षाबंधन
## अटूट विश्वास का बंधन

हम सभी सामाजिक प्राणी है, जो एक–दूसरे से जुड़े रहने के लिए स्वेच्छा से रिश्तों के बंधन में बंधते है। ये बंधन हमारी स्वतंत्रता का हनन करने वाले बंधन नहीं अपितु प्रेम के बंधन होते हैं, जिसे हम जिंदादिली से जीते और स्वीकारते हैं।

हमारे समाज में हर रिश्ते को कोई न कोई नाम दिया गया है। ठीक उसी तरह आदमी और औरत के भी कई रिश्ते हो सकते हैं, मगर उन रिश्तों में सबसे प्यार रिश्ता भाई–बहन का रिश्ता होता है। यह रिश्ता हर रिश्ते से मीठा और प्यारा रिश्ता होता है क्योंकि इस रिश्ते में मिठास भरता है भाई–बहन का एक–दूसरे के प्रति प्रेम व विश्वास। यह विश्वास प्रतीक रूप में भले ही रेशम की कच्ची डोर से बँधा होता है परंतु दोनों के मन की भावनाएँ प्रेम की एक पक्की डोर से बँधी रहती है, जो रिश्तों की हर डोर से मजबूत डोर होती है। यही प्रेम रक्षाबंधन के दिन भाई को अपनी लाड़ली बहन के पास खीच लाता है। रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं बल्कि हमारी परंपराओं का प्रतीक है, जो आज भी हमें अपने परिवार व संस्कारों से जोड़े रखे हैं। रक्षाबंधन बहन की रक्षा की प्रतिबद्धता का दिन है, जिसमें भाई हर दुख–तकलीफ में अपनी बहन का साथ निभाने का वचन देता है। यही वह वचन है, जो आज के दौर में भी भाई–बहन को विश्वास के बँधन से जोड़े हुए है।

यही वह त्योहार है, जिसे बहन अपने घर अर्थात अपने मायके में मनाती है। तभी तो हर रक्षाबंधन पर बहन जितनी बेसब्री से अपने भाई के आने का इंतजार करती है उतनी ही शिद्दत से भाई भी अपनी बहन से मिलकर उसका हालचाल जानने को उसके पास खिंचा चला आता है और भाई और बहन का मिलन होता है, तब सारे गिले–शिकवे दूर होकर माहौल में बस हँसी–ठिठौली के स्वर ही गुँजायमान होते हैं, जो खुशियों का पर्याय होते हैं। आप भी इस त्योहार को प्यार के साथ बनाएँ तथा इस दिन अपनी बहन को उसकी खुशियाँ उपहारस्वरूप दें। याद रखें यह रिश्ता, जितना मजबूत और प्यारा रिश्ता है उतना ही कमजोर भी इसलिए रिश्ते की इस डोर को सदैव मजबूती से थामे रखें।

# सात वचन से बँधी सात राखियाँ

यह भारत में ही संभव है कि एक महीन रेशम डोरी से दिल की अनंत गहराइयों में छुपा प्यार अभिव्यक्त हो सकें। भाई और बहन के अनमोल रिश्ते को समर्पित यह त्योहार मन में उमंग की सुरीली घंटियाँ बजा देता है। यूँ भी सावन मास सौन्दर्य का भीना मौसम माना गया है। यह मौसम साज–श्रृंगार और प्यार–अनुराग की कलाभिव्यक्तियों से आपुरित होता है। यही वजह है कि कलाई पर बँधने वाली राखी का सौन्दर्य रिश्ते की सादगी पर जीत जाता है। इस मोहक मनभावन त्योहार पर इस बार बाँधें कुछ ऐसी राखियों को जो हर भाई–बहन के जीवन जीने का अंदाज बदल दें – यह राखी है प्यार, विश्वास, साथ, मुस्कान, सम्मान, स्वतंत्रता और क्षमा की।

**प्यार की राखी**– यह राखी सलमा–सितारें और मोतियों से नहीं सजी है। यह राखी, अपने मन के आँगन में खिलने वाले प्यार के मासूम फूल से बनी है। इसे बाँधने और बँधाने की यही शर्त है कि बहन और भाई दोनों यह कसम खाए कि उनका प्यार कभी नहीं बदलेगा। हर मौसम, हर समय, हर परिस्थिति में उनके प्यार का फूल तरोताजा रहेगा। चाहे बहन पराए आँगन की तुलसी बन जाए, चाहे रूनझुन पायल छनकाती दुल्हन, भाई ले आए। रिश्तों का सौन्दर्य और सादगी बनी रहे, बची रहे। दिल की गहराई में बसा प्यार निरंतर बढ़ता रहे, फलता–फूलता रहे। यह राखी इस मंगल त्योहार पर यही कसम चाहती है। दोनों के बीच महकते प्यार का फूल पैसों की तपिश से कभी ना मुरझा पाए।

**विश्वास की राखी** – यह राखी बड़ी महीन लेकिन मजबूत डोरी से बनी है। इस राखी की यही शर्त है कि विश्वास की रेशम डोर दुनिया के ताने–बाने में कभी ना उलझ पाए। यानी हर हाल में भाई का बहन के प्रति और बहन का भाई के प्रति विश्वास बरकरार रहे। इसे यूँ भी कहा जा सकता है कि दोनों एक–दूसरे के प्रति विश्वास को टूटने नहीं देंगे। अकारण एकदूजे पर अविश्वास की काली परत चढ़ने नहीं देंगे। अगर किसी एक से विश्वास की दीवार चटकती भी है तो उसकी परिस्थिति को उदार मन से समझने का प्रयास करेंगे। इस राखी को बाँधते हुए कसम लें कि एकदूजे का विश्वास बनेंगेऔर उसे संजोए रखेंगे।

**साथ की राखी** – चाहे सारी दुनिया तुम्हारे विरुद्ध हो तुम्हारा भाई हमेशा तुम्हारे साथ है। यह अटूट सहारा देते शब्द सच्चे मन से हर बहन के अन्तर्मन में बैठे होने चाहिए। उसका यह भाव कि मेरा भाई है ना, और भाई का यह अहसास कि मेरी बहन सब संभाल लेगी,हर हाल में कायम रहे यही इस राखी को बाँधने की कोमल शर्त है। इस दुनिया में माँ और पिता के बाद भाई ही तो सच्चा निस्वार्थ साथ दे सकता है। देश का हर भाई अपनी बहन के साथ रहे एक अहसास बन कर, एक विश्वास बन कर तभी इस राखी की सार्थकता है।

# रेशम डोरी में गूँथा प्यार

- छत की सीढ़ियों पर रूठकर बैठी एक नन्ही बहना। उसके इस रूठने से सबसे ज्यादा व्यथित अगर कोई है तो वह है उसका भाई। भोजन की थाली लेकर उसके पास जाने वाला पहला व्यक्ति होता है, उसका भाई।
- स्कूल से अपनी बहन को लेकर आता एक छोटा–सा भाई। भाई के छोटे लेकिन सुरक्षित हाथों में जब बहन का कोमल हाथ आता है तब देखने योग्य होता है, भाई के चेहरे से झलकता दायित्व बोध, उठते हुए कदमों में बरती जाने वाली सजगता और कच्ची–कच्ची परेशान आँखें। घर पर जो बहन भाई से ठुनकी–ठुनकी रहती होगी, बीच राह पर वही भोली–सी हिरनी हो जाती है।
- बच्चों का एक झुंड। खेल में मशगूल। तभी सबको लगी प्यास। भाई ने हमेशा की तरह छोटी बहन को आदेश दिया। नन्हे हाथों में जग और गिलास पकड़े टेढ़ी–मेढ़ी चाल से धीरे–धीरे आती है बहन और...और... धड़ाम!! सबके सामने भाई को मिली फटकार। बहन ने कोहनी छुपाते हुए, आँसुओं को रोकते हुए कहा – भाई ने नहीं भेजा था, मैं खुद गई थी पानी लेने।
- कक्षा पहली की नन्ही छात्रा अनुष्का को प्रिंसिपल ने ऑफिस में बुलाकर कहा – तुम्हारा छोटा भाई आशु क्लास में सो गया है उसे अपनी क्लास में ले जाओ...! अनुष्का की गोद में सोया है आशू और वह बोर्ड पर से सवाल उतार रही है।
- दूसरी की छात्रा श्रुति रोते हुए अपने बड़े भाई श्रेयस के पास पहुँची। कक्षा के बच्चे उसके नाम का मजाक उड़ाते हैं। उसे सूती कपड़ा कहते हैं। तीसरी कक्षा के बहादुर भाई ने कहा – छुट्टी के बाद सबके नाम बताना, सबको ठीक कर दूँगा। श्रुति आश्वस्त है अब। छुट्टी होने पर श्रेयस ने रोक लिया सब चिढ़ाने वाले बच्चों को। पहले तो बस्ते से धमाधम मारा–पीटी, फिर सब पर स्याही छिड़ककर बहन का हाथ पकड़कर भाग आया भाई। बहन खुश है, भाई ने बदला ले लिया। कल की कल देखेंगे।
- पहली बार कॉलेज जा रही थी बहन। भाई ने बाइक पर बैठाया और रास्ते में कहा – तू कब बड़ी हो गई मुझे तो वहीं दो चोटी वाली बस्ता घसीटकर चलने वाली और चॉक खाने वाली याद है। इतनी जल्दी तू बड़ी हो गई, पता ही नहीं चला।
- बहन बिदा हो रही थी लेकिन भाई धर्मशाला जल्दी खाली करने की चिंता में व्यंजनों के कढ़ाव – तपेले आदि उठा–उठा कर रख रहा था। बहन ने सुबकते हुए भाई को याद किया। भाई ने सब्जी–दाल से सने हाथों से ही बहन को गले लगा लिया।

बहन ने अपनी कीमती साड़ी को आज तक ड्रायक्लीन नहीं करवाया। वह कहती है, जब भी उस साड़ी पर सब्जी के धब्बे देखती हूँ। भाई का वह अस्त–व्यस्त रूप याद आ जाता है , मेरी शादी में कितना काम किया था भाई ने। भाई और बहन का रिश्ता मिश्री की तरह मीठा और मखमल की तरह मुलायम होता है। रक्षाबंधन का पर्व भाई–बहन के इसी पावन रिश्ते को समर्पित है। इसी त्योहार पर इस रिश्ते की मोहक अनुभूति को सघनता से अभिव्यक्त किया जाता है।

भारत में यदि आज भी संवेदना, अनुभूति, आत्मीयता, आस्था और अनुराग बरकरार है तो इसकी पृष्ठभूमि में इन त्योहारों का बहुत बड़ा योगदान है। जो लंबी डगर पर चिलचिलाती प्रचंड धूप में हरे–भरे वृक्ष के समान खड़े हैं। जिसकी घनी छाँव में कुछ लम्हें बैठकर व्यक्ति संघर्ष पथ पर उभर आए स्वेद बिंदुओं को सुखा सके और फिर एक शुभ मुस्कान को चेहरे पर सजाकर चल पड़े जिंदगी की कठिन राहों पर, जूझने के लिए।

रक्षाबंधन के शुभ पर्व पर बहनें अपने भाई से यह वचन चाहती हैं कि आने वाले दिनों में किसी बहन के तन से वस्त्र न खींचा जाए फिर कोई बहन दहेज के लिए जिंदा न जलाई जाए, फिर किसी बहन का अपहरण ना हो और फिर किसी बहन के चेहरे पर तेजाब न फेंका जाए। यह त्योहार तभी सही मायनों में खूबसूरत होगा जब बहन का सम्मान और भाई का चरित्र दोनों कायम रहे। यह रेशमी धागा सिर्फ धागा नहीं है। राखी की इस महीन डोरी में विश्वास, सहारा और प्यार गुंफित हैं और कलाई पर बँधकर यह डोरी प्रतिदान में भी यही तीन अनुभूतियाँ चाहती हैं। पैसा, उपहार, आभूषण, कपड़े तो कभी भी, किसी भी समय लिए–दिए जा सकते हैं लेकिन इन तीन मनोभावों के लेन–देन का तो यही एक पर्व है – रक्षाबंधन!

## नेपाल में फंसे या लापता बेगूं क्षेत्र के लोगों की सूचना देने की अपील

राजस्थान दर्शन

**बेगूं।** नेपाल के रसुआ क्षेत्र में भोटेकोशी नदी में आई आकस्मिक बाढ़ के कारण कई पर्यटकों एवं यात्रियों के फंसे व लापता होने की सूचना है। घटना को देखते हुए बेगूं उपखंड अधिकारी अंकित सामरिया ने क्षेत्र के उन लोगों के परिजनों एवं आमजन से जानकारी देने की अपील की है, जो हाल ही में नेपाल भ्रमण पर गए हैं। एसडीएम ने बताया कि जिला प्रशासन के निर्देश पर तहसीलदार एवं विकास अधिकारी को फील्ड स्टाफ के माध्यम से क्षेत्र में जानकारी जुटाने के निर्देश दिए गए हैं। यदि बेगूं उपखंड का कोई व्यक्ति नेपाल में फंसा, लापता या प्रभावित है तो परिजन उसका नाम, पता, मोबाइल नंबर, पहचान/पासपोर्ट विवरण, नेपाल जाने की तिथि एवं टूर ऑपरेटर की जानकारी तत्काल उपखंड कार्यालय अथवा संबंधित तहसील/पंचायत समिति कार्यालय में दें। कंट्रोल रूमः हेल्पलाइन 1070 एवं 112, दूरभाष 0141-2851960, 0141-2385776, 0141-2385777, 0141-2227296, 0141-2927392, 0141-2227603 तथा आईपी नंबर 28888 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

## नेपाल में फंसे राजस्थानियों की सूचना के लिए कंट्रोल रूम

राजस्थान दर्शन

**चित्तौड़गढ़।** नेपाल के रसुवा क्षेत्र में 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई आकस्मिक बाढ़ के बाद पर्यटकों एवं यात्रियों के प्रभावित होने तथा कुछ लोगों के लापता होने की सूचना है। नेपाल पर्यटन बोर्ड की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार लापता पर्यटकों में भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। जिला प्रशासन ने नेपाल यात्रा पर गए जिले के लोगों की जानकारी जुटाने के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने बताया कि प्रशासन यह पता लगा रहा है कि जिले का कोई व्यक्ति नेपाल में फंसा, लापता, घायल अथवा प्रभावित तो नहीं है। परिजन प्रभावित व्यक्ति का नाम, पता, मोबाइल नंबर, पासपोर्ट/पहचान विवरण, नेपाल जाने की तिथि, टूर ऑपरेटर तथा परिजनों के संपर्क नंबर उपलब्ध करा सकते हैं। नेपाल गए किसी व्यक्ति से संपर्क नहीं हो पा रहा है तो घबराएं नहीं और तत्काल प्रशासन को सूचना दें। सहायता के लिए राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के टोल फ्री नंबर 1070 एवं 112 तथा चित्तौड़गढ़ कंट्रोल रूम 01472-244923 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा 0141-2851960, 0141-2927392, 0141-2227603, 0141-2385776, 0141-2385777, 0141-2227296, आईपी नंबर 28888 एवं ई-मेल relief-rj@nic.in पर भी सूचना दी जा सकती है।

## नगर निकाय आम चुनाव-2026: नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन 12 नामांकन पत्र दाखिल

### बड़ी सादड़ी से 11 एवं कपासन से एक अभ्यर्थी ने किया नामांकन

राजस्थान दर्शन

**चित्तौड़गढ़।** नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत चित्तौड़गढ़ जिले की सात नगर निकायों में वार्ड सदस्यों के निर्वाचन के लिए नामांकन प्रक्रिया गुरुवार से प्रारंभ हो गई। नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन जिले में कुल 12 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। सांख्यिकी प्रकोष्ठ, नगर निकाय चुनाव-2026 से प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 अगस्त को बड़ी सादड़ी नगर पालिका से 11 तथा कपासन नगर पालिका से एक अभ्यर्थी ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस प्रकार प्रथम दिन जिले में कुल 12 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। वहीं नगर परिषद चित्तौड़गढ़ एवं निम्बाहेड़ा तथा नगर पालिका रावतभाटा, बेगूं एवं आकोला में प्रथम दिन किसी भी अभ्यर्थी द्वारा नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया।

## जिला कलेक्टर डाँ मंजू ने बेगूँ में निकाय चुनाव की तैयारियों का लिया जायजा

राजस्थान दर्शन

**बेगूँ।** चित्तौड़गढ़ जिला कलेक्टर डाँ मंजू ने गुरूवार को बेगूँ उपखण्ड मुख्यालय पहुंचकर निकाय चुनाव की तैयारियों का जायजा लेकर आवश्यक निर्देश प्रदान किये। प्राप्त जानकारी के अनुसार चित्तौड़गढ़ जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने बेगूँ नगर के पीएमश्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में 2 पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर पोलिंग बूथों पर पेयजल, साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिये आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने वहाँ पर रेलिंग के पास बिखरे मलबे व कचरे को शीघ्र हटाने के निर्देश दिये। जिलाकलेक्टर ने उसके पश्चात स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल में मतगणना कक्ष के लिये बनाये गये स्ट्रॉन्ग रूम का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये जिला कलेक्टर डॉ मंजू ने उपखण्ड कार्यालय पहुँचकर अधिकारियों को आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश देकर इसमे कोताही नही बरतने के निर्देश दिये। इस अवसर पर उन्होनें उपखण्ड कार्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण सरंक्षण का संदेश देकर मानसून के समय अधिक से अधिक पेड लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी एंव रिटर्निंग अधिकारी अंकित सामरिया, तहसीलदार एंव कार्यवाहक अधिशाषी अधिकारी नपा बेगूँ गोपाल जीनगर,बेगूँ थानाधिकारी चंपाराम सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

## रक्षा का वचन अभियान : राजसमंद पुलिस ने चालान काटने के बजाय चालकों को बांधी राखी

राजस्थान दर्शन

**राजसमंद।** रक्षाबंधन पर्व पर आमजन के बीच सुरक्षा, आत्मीयता और विश्वास का माहौल सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा जिले भर में दो दिवसीय विशेष अभियान रक्षा का वचन की शुरुआत की गई है। अभियान के तहत ब्रह्माकुमारी संस्थान की बहनों ने एसपी हेमंत कलाल को रक्षासूत्र बांधा। एसपी कलाल ने बहनों को जिले में शांति, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही महिला सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का भरोसा दिलाया। कांकरोली बस स्टेण्ड पर आयोजित कार्यक्रम में एएसपी बंशीलाल चनिया, वृत्ताधिकारी नेत्रपाल सिंह, सेजल शेखावत, थानाधिकारी सरोज बैरवा व यातायात प्रभारी पन्नालाल मेनारिया की मौजूदगी में कालिका पेट्रोलिंग टीम एवं पुलिस अधिकारियों ने अनूठी पहल की। सडक़ सुरक्षा का संदेश देते हुए पुलिस ने बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों के चालान काटने के बजाय महिला पुलिसकर्मियों से उन्हें राखी बंधवाई।

# प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा ने किया युवाओं से सीधा संवाद, विधायक आक्या ने दिलाया विकास का भरोसा

### दुर्ग की तलहटी पर देखने को मिला युवाओं का जोश और जुनून, बोले युवा - एक वोट चित्तौड़ के विकास के नाम

राजस्थान दर्शन

**चित्तौड़गढ़।** भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा स्थानीय भरत बाग में युवा संवाद - प्रदेश अध्यक्ष के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा तथा मुख्य वक्ता के रूप में चित्तौड़गढ़ के विधायक चंद्रभान सिंह आक्या उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश गाडरी ने की तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला महामंत्री हर्षवर्धन सिंह रूद, नगर परिषद चुनाव सह संयोजक अनन्त समदानी, युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री कृष्ण पाल सिंह चुण्डावत व प्रभारी रामपाल जाट मन्चासिन रहे। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'एक वोट चित्तौड़गढ़ के विकास के नाम' था जिसमें शहर के वार्डों और बस्तियों से सैकड़ो युवाओं ने भाग लेकर खुलकर अपने दिल की बात रखी।

**खुले मंच से युवाओं ने पूछे सवाल**

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सीधा संवाद था जिसमें युवाओं ने बिना किसी हिचकिचाहट के मंच से सवाल पुछे। हमारे पास डिग्री है पर रोजगार नहीं, लड़कियों के लिए सुरक्षित लाइब्रेरी और खेल की व्यवस्था कब होगी? वहीं कई युवाओं ने नशा मुक्ति, स्टार्टअप लोन और नगर परिषद में पारदर्शिता का मुद्दा उठाया। युवाओं के सवालों का जवाब देते हुए प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा ने कहा, भाजपा ने युवाओ को सदैव सम्मान दिया है लेकिन कांग्रेस ने युवाओं का हमेशा इस्तेमाल किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है - युवा ही देश का वर्तमान है। मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ, नगर परिषद चुनाव में टिकट से लेकर संगठन में युवाओं को 50 प्रतिशत से ज्यादा भागीदारी मिलेगी। हर वार्ड में ओपन जिम, डिजिटल लाइब्रेरी और खेल मैदान हमारा संकल्प है। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा, चित्तौड़गढ़ दुर्ग हमारे गौरव का प्रतीक है। चित्तौड़ का युवा अब बाहर नहीं जाएगा' टूरिज्म सर्किट, नया औद्योगिक क्षेत्र और स्किल डेवलपमेंट सेंटर के माध्यम से हम यहीं रोजगार पैदा करेंगे। नगर परिषद में भाजपा का बोर्ड बनते ही युवा हित के कार्यो को पहली कलम से मंजूरी मिलेगी। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष सुरेश गाडरी ने सभी युवाओं को संकल्प दिलाया जिस पर सैकड़ों युवाओं ने हाथ खड़ा कर एक स्वर में कहा - हम वोट देंगे भी और दिलाएंगे भी, एक वोट चित्तौड़ के विकास के नाम देंगे। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा के जिला महामंत्री राधेश्याम कुमावत ने तथा आभार युवा मोर्चा के जिला महामंत्री सूर्यप्रताप सिंह गुड्डा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष लालचंद गुर्जर, अनिल सुखवाल, हीरालाल रायका, भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष अविनाश शर्मा, किशन जाट, रविन्द्र शर्मा, गजेन्द्र प्रताप सिंह, बंटी मेवाड़ा, भेरूलाल जाट, जिला उपाध्यक्ष रवि मेनारिया, सिद्धार्थ तातेड़, जितेन्द्र शर्मा, मुकेश डांगी, किशन गुर्जर, रतन वैष्णव, रामनरेश गाडरी, जगदीश मेनारिया, विशाल गर्ग, आशीष आर्य, आशा दशोरा, भरत मेनारिया, रवि विराणी, गोविन्द गुर्जर, प्रिंस शर्मा, महेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश जटिया, देवराज रजक, विपुल सिंह, मनोज चौधरी, शांतीलाल जाट, रवि बैरागी, कन्हैयालाल सुखवाल, कमल प्रजापत, पिनू मेनारिया, प्रकाश भट्ट, कृतिका जोशी, शांतीलाल गाडरी व प्रकाश गाडरी सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# सेवा पखवाडा के तहत मातृशक्ति वंदन कार्यक्रम आयोजित

### बहनों ने सांसद व विधायक को बांधा रक्षा सूत्र

राजस्थान दर्शन

**चित्तौडगढ़।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस सेवा पखवाड़ा के तहत गुरूवार को भान फोर्ट पेलेस रिसोर्ट में मातृ शक्ति वंदन कार्यक्रम सांसद सी पी जोशी के मुख्य आतिथ्य व विधायक चंद्रभान सिंह आक्या की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधान प्रवीण सिंह राठौड़, भदेसर निवर्तमान प्रधान सुशीला कंवर व भोपाल सागर के पूर्व प्रधान हेमेन्द्र सिंह राणावत थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विधानसभा क्षेत्र चित्तौडगढ़ की महिलाओ ने सहभागिता की तथा सांसद जोशी व विधायक आक्या की कलाई पर रक्षा सुत्र बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की परपंरा को आत्मीयता के साथ निभाया। इस अवसर पर अपने संबोधन में सांसद जोशी ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा महिलाओ को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हे आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। विधायक आक्या ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाओ के सम्मान और आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिली है। कार्यक्रम को पूर्व प्रधान प्रवीण सिंह राठौड़, भदेसर निवर्तमान प्रधान सुशीला कंवर व भोपाल सागर के पूर्व प्रधान हेमेन्द्र सिंह राणावत ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान बुजुर्ग महिलाओं को शॉल व उपरना ओढाकर उनका अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओ ने सांसद जोशी, विधायक आक्या व अन्य अतिथियो को रक्षासुत्र बांधकर उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

# बार बार दिन ये आए जन्मदिन समारोह में कलाकार अमित चेचानी ने बिखेरा सुरों का जादू

### एक से बढ़कर एक सुरीले गीतों से बांधा समां, झूमने पर किया मजबूर

राजस्थान दर्शन

**चित्तौड़गढ़।** स्वीट वॉइस इवेंट मैनेजमेंट द्वारा दिनांक 26 अगस्त 2026 बुधवार को चित्तौड़गढ़ में बाणिया(कीर) परिवार की ओर से अरावली रिसॉर्ट में आयोजित सुरेश चंद्र कीर की बिटिया निध्याना का जन्मदिन समारोह उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। जिसमें चित्तौड़गढ़ के माने सुप्रसिद्ध कलाकार अमित कुमार चेचानी ने अपनी दिलकश आवाज के जरिए इस शाम को यादगार बनाया। इस अवसर पर उन्होंने सदाबहार रोमांटिक गीतों में किशोर कुमार, रफ़ी, कुमार सानू, उदित नारायण आदि कलाकारों की आवाज़ों के सुरीले नग़मों से समारोह की शाम में अपने सुरों के जादू से और भी खूबसूरत बनाया। लगभग 3 घंटे चली इस सुरीली शाम में अमित ने 80 व 90 के दशक के एक से बढ़कर एक गीत गाए जिससे समारोह में चार चांद लग गए।

**कलाकार चेचानी की मेहमानों ने की हौसला अफजाही**

इस समारोह में जनप्रतिनिधि चित्तौड़ कांग्रेस प्रभारी श्री नरेंद्र सिंह चौहान, कीर समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री किशन लाल जी कीर एवं चंदेरिया (बीजेपी) पद पर कार्यरत श्री पूरण जी कीर, सिंघाड़ी स्टोन क्रेशर से श्री पपू सोमानी टाटा एआईए (ञ्जड्डह्लड्ड द्ब) परिवार के सभी क्लस्टर मैनेजर्स व साथी तथा स्टार इंडिया परिवार के सभी सम्मानित सदस्य, विभिन्न विद्यालयों से पधारे हुए सभी शिक्षक एवं स्टाफ जन सहित आस पास के जिलों से पधारे अतिथियों ने इस सुरीली शाम का आनंद उठाया। अतिथियों की फरमाइश के गीत गाकर भी उनका भरपूर मनोरंजन किया और झूमने पर मजबूर कर दिया। मेहमानों ने कलाकार अमित द्वारा गाए गीतों की हौसला अफजाही भी की। इस शाम में केक कटिंग सेरेमनी और स्नेहभोज का आयोजन भी किया गया जिनका सभी अतिथियों ने लुत्फ लिया।

**देश के कई राज्यों में कलाकार अमित ने अपनी कला के जरिए कमाया नाम**

उल्लेखनीय हैं कि चेचानी आकाशवाणी चित्तौड़गढ़ के बेहतरीन कलाकार के साथ-साथ कई सामाजिक साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं हैं जिन्होंने देश के कई राज्यों में अपनी आवाज के जादू के जरिए नाम कमाया है और स्वयं के इवेंट ग्रुप स्वीट वॉइस ग्रुप के द्वारा विवाह समारोह, बर्थडे पार्टी, महिला संगीत व इवेंट संबंधी गतिविधियों में एंकरिंग के साथ-साथ सिंगिंग से संगीत प्रेमियों का मनोरंजन कर रहे हैं। साथ में नई प्रतिभाओं को भी अवसर प्रदान कर रहे हैं। इवेंट में विभिन्न समारोह में म्यूजिक इवेंट के साथ - साथ साउंड, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, लाइटिंग, डेकोरेशन आदि के काम भी इस ग्रुप के माध्यम से सफलता पूर्वक हो रहा है। आगामी कार्यक्रमों की बुकिंग जारी है। जानकारी हेतु मो. न. 98291 13675 पर संपर्क कर सकते हैं।

# मोलेला में जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन : सांसद और विधायक ने की सहभागिता

राजस्थान दर्शन

**खमनोर।** सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ व विधायक विश्वराजसिंह मेवाड़ ने गुरुवार को खमनोर मंडल के मोलेला क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने खेल, पारंपरिक हस्तकला, धार्मिक आस्था तथा महिला स्वावलंबन से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लिया और स्थानीय लोगों से संवाद किया। मोलेला में आयोजित जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में सांसद व विधायक ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में जीतावास की टीम विजेता, कुंडिया की टीम उपविजेता तथा कुंवारिया की टीम तृतीय स्थान पर रही। अतिथियों ने विजेता एवं प्रतिभागी खिलाडियों को कहा कि क्षेत्र में इस प्रकार के खेल आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर मंच प्रदान करते हैं। इसके बाद सांसद एवं विधायक ने हनुमानपुरा मोलेला स्थित टेराकोटा हस्तकला केंद्रों का अवलोकन किया। उन्होंने कारीगर भग्गा कुम्हार व राजेंद्र कुम्हार से मुलाकात कर मोलेला की प्रसिद्ध टेराकोटा कला, इसके निर्माण की पारंपरिक प्रक्रिया, कारीगरों की मेहनत तथा हस्तशिल्प से जुड़े रोजगार के अवसरों की जानकारी ली। उन्होंने स्थानीय शिल्पकारों से बातचीत करते हुए इस पारंपरिक कला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और इसके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की। सांसद व विधायक ने मोलेला खेड़ा स्थित देवी माता मंदिर में दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। महाराणा प्रताप सभागार पंचायत समिति खमनोर में आयोजित प्रदर्शनी का सांसद और विधायक ने अवलोकन किया। राजीविका से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों ने अपने द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की जानकारी दी तथा अपनी सफलता की कहानियां साझा की। महिलाओं ने बताया कि किस प्रकार उन्होंने स्वयं सहायता समूह से जुडक़र छोटे स्तर से शुरुआत की और आज अपने उत्पाद तैयार कर उनका विक्रय करते हुए आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। सांसद एवं विधायक ने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं के लिए केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, स्वावलंबन और सामाजिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार बन रहे हैं। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, राजीविका से जुड़े प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, शिल्पकार, खिलाड़ी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

# सैनिक भाइयों की कलाई पर सजी राखी

राजस्थान दर्शन

**नाथद्वारा।** रक्षाबंधन पर स्मार्ट स्टडी इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उदयपुर स्थित 5 राज बटालियन पहुंचकर सैनिक भाइयों के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया। विद्यार्थियों ने सैनिकों की कलाई पर राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान, स्नेह एवं कृतज्ञता व्यक्त की तथा राष्ट्र की सुरक्षा के लिए उनके समर्पण को नमन किया। इस दौरान ग्रुप कमांडर कर्नल नरेश कुमार, सेना मेडल, कमान अधिकारी 10 राज एनसीसी कर्नल अमरेश सिंह एवं लेफ्टिनेंट कर्नल राजेश्वर जायसवाल ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए राष्ट्रप्रेम, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने कहा कि देश की सीमाओं एवं सुरक्षा में सदैव तत्पर रहने वाले सैनिक पूरे राष्ट्र की रक्षा का दायित्व निभाते हैं। उनके सम्मान में रक्षाबंधन के अवसर पर राखी बांधना स्मार्ट स्टडी इंटरनेशनल स्कूल की ओर से एक छोटा-सा योगदान है। प्राचार्य डॉ पारुल जोशी ने कहा कि विद्यार्थियों को देश के वीर जवानों के त्याग, अनुशासन और कर्तव्य के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेनी चाहिए। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। विद्यार्थियों की इस पहल ने राष्ट्रसेवा, भाईचारे और सैनिकों के प्रति सम्मान का भावपूर्ण संदेश दिया। निदेशक मनोहरलाल भाटिया, श्याम भाटिया एवं तिलकेश भाटिया ने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के इस प्रयास को विद्यालय की राष्ट्रहित एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। सनराइज स्कूल में मनाया रक्षाबंधन पर्व सनराइज एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रक्षाबंधन पर्व कार्यक्रम में भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और विश्वास का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। इस दौरान विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। वहीं कक्षा तीसरी से पांचवीं तक राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए विद्यालय में ही आकर्षक, रंग-बिरंगी एवं मनमोहक राखियां तैयार कीं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर प्रेम एवं स्नेह की राखी बांधी तथा छात्रों ने भी अपनी बहनों को उपहार देकर भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते को यादगार बनाया।

# नगरीय निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा एवं समन्वय बैठक आयोजित

### आदर्श आचार संहिता की पालना, निर्वाचन प्रक्रिया एवं व्यय सीमा को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश*

राजस्थान दर्शन

**सलूंबर।** राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 की घोषणा के साथ ही नगर परिषद क्षेत्र सलूंबर में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को उपखण्ड कार्यालय सलूंबर में रिटर्निंग अधिकारी (एसडीएम) जगदीश चन्द्र बामनिया की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त एवं पंजीकृत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में रिटर्निंग अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आदर्श आचार संहिता की पालना, नामांकन प्रक्रिया, चुनाव व्यय सीमा तथा निर्वाचन कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए।

**आदर्श आचार संहिता एवं कानून व्यवस्था**

रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण नवीन विकास कार्यों, नई योजनाओं तथा नए कार्यादेश जारी करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, जबकि पूर्व से संचालित कार्य यथावत जारी रहेंगे। चुनाव प्रचार के लिए वाहनों, लाउडस्पीकर एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग तथा सभा, रैली एवं जुलूस के आयोजन के लिए रिटर्निंग अधिकारी से पूर्व लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगा। रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक लाउडस्पीकर एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

**संतान संबंधी प्रावधानों में संशोधन**

बैठक में बताया गया कि राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 2 एवं 24 में हुए संशोधन के तहत नगरीय निकाय चुनाव में संतान संबंधी प्रतिबंधात्मक प्रावधानों को हटा दिया गया है।

**चुनाव व्यय सीमा**

नगर परिषद पार्षद पद के प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए अधिकतम चुनाव व्यय सीमा 2.50 लाख रुपये निर्धारित की गई है। चुनाव परिणाम घोषित होने के 15 दिवस के भीतर अभ्यर्थियों को चुनाव खर्च का पूर्ण विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

**मतदाता पहचान के संबंध में जानकारी**

मतदान के समय मतदाता को EPIC (मतदाता पहचान पत्र) अथवा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्वीकृत 11 मूल वैकल्पिक Photo द्बष्ठ दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा।

**सलूंबर नगर परिषद में 11 सितंबर को मतदान**

बैठक में जानकारी दी गई कि नगर परिषद सलूंबर के पार्षद पद के लिए मतदान 11 सितंबर 2026 को प्रातः 7 बजे से सायंकाल 6 बजे तक होगा तथा मतगणना 14 सितंबर 2026 को की जाएगी। वहीं अध्यक्ष पद के लिए मतदान 21 सितंबर 2026 तथा उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव 22 सितंबर 2026 को संपन्न होगा। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव 2026 में सलूंबर नगर परिषद दूसरे चरण में शामिल है।

बैठक में उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, सुगम एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने में प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

अंत में रिटर्निंग अधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों से आदर्श आचार संहिता की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने तथा शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष निर्वाचन में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।


स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी राव संजय सिंह के लिए मेसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस, 311-A, चित्रकूट नगर, उदयपुर, राजस्थान- 313001 से मुद्रित एवं 705, ए ब्लॉक, वैदेही प्रीमियम हाउसिंग, श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल के पास, बेदला,100 फीट रोड, उदयपुर, राजस्थान - 313001 से प्रकाशित।
संपादकः कमलेश सिंह, एच- 6, नंदपुरी कॉलोनी, मालवीय नगर, जयपुर- 302017, फोन न- 0141-48199557 मो. 9166693566 E-mail rajasthandarshanudaipur@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)